



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 117]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 29, 1981/ज्येष्ठ 8, 1903

No. 117]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 29, 1981/JYAISTHA 8, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असंग्रहित संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## राष्ट्रीय मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना संख्या-28 आईटीसी(पीएन)/81

नई दिल्ली, 29 मई, 1981

आयात व्यापार नियंत्रण

विषय :—1980-81 के लिए येन 2.46 बिलियन (ऋण सहायता) की जापान अनुदान सहायता से सम्बन्धित लाइसेंस शर्तें।

मिसिल संख्या—आई०पी०सी/23(14)/80-81—जापान अनुदान सहायता येन 2.46 बिलियन (ऋण सहायता) के अन्तर्गत निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों में आयातकों के लिए आयात लाइसेंस जारी करने के लिए शामिल होने वाली जैसी शर्तें इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट-1 और 2 में दी गई हैं, वे जानकारी के लिए अधिसूचित की जाती हैं।

कु० रीमा मनुमदार, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

## परिशिष्ट-1

जापान की सरकार द्वारा प्रदान किए गए 1980-81 के लिए 2.46 बिलियन (येन 2,463,559,000/-) (ऋण सहायता) के जापानी अनुदान सहायता के अन्तर्गत सार्वजनिक क्षेत्र के आयातों के सम्बन्ध में लाइसेंस शर्तें।

खण्ड-1-सामान्य शर्तें :

1(1) जापान की सरकार द्वारा प्रदान की गई 2.46 बिलियन जापानी अनुदान सहायता श्री० ई० सी० श्री० और विकासशील देशों के हक में संगठित की गई हैं। तदनुसार, इस ऋण के अधीन अधिप्राप्त की जाने वाली पण्य वस्तुएं और उनसे सम्बन्धित प्रासंगिक सेवाएं जापान और अनुबन्ध-1 की सूची में उद्धृत सभी देशों से आयात की जा सकती हैं। ये देश इस ऋण के अन्तर्गत पात्र स्त्रोत देश होंगे। इस अनुदान सहायता के अधीन जो पात्र मर्चे आयात की जा सकती हैं उनकी सूची अनुबन्ध-2 में दी गई है।

1(2) लाइसेंस पर एक शीर्षक "1980-81 के लिए 2.46 बिलियन जापानी अनुदान सहायता होगा"। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस संकेत "एम/जे०एन" होगा। ये प्रत्यय मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के आयात लाइसेंस के अधिपत्र पत्र में भी दुहराए जाएंगे।

1(3) बैंक खाते, जिनका प्रेषण सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से किया जा सकता है, के अनिवार्य विदेशी मुद्रा के किसी भी प्रेषण की अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अधिकर्ता के कमीशन के प्रति कोई भी भूगर्भ अधिकर्ता को भारतीय रुपए में चुकाना चाहिए। लेकिन, ऐसे भूगर्भ लाइसेंस मूल्य के ही भाग होंगे और इसलिए लाइसेंस पर ही प्रभावित किए जाएंगे।

1(4) आयात लाइसेंस लागत-बीमा-भाड़ा के आधार पर 12 महीनों की प्रारम्भिक वैध अवधि के साथ जारी किया जाएगा। लाइसेंस की वैधता में वृद्धि के लिए लाइसेंस जारी की सम्बन्ध लाइसेंस प्राधिकारी से

गम्पक करता चाहिए जो उस मामले में आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) से परामर्श करेगा।

1(5) पक्के आदेश अनुबन्ध-1 में उल्लिखित जापान या अन्य पात्र देशों में स्थित विदेशी संभरकों को लागत-बीमा-भाड़ा के आधार पर या लागत और भाड़ा के आधार पर दिए जाने चाहिए और वे (आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों की अवधि के भीतर) अधर सचिव (टीए) आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग), नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को भेज दिए जाने चाहिए। "पक्के आदेशों" का अर्थ विदेशी संभरकों को भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा दिए गए उन क्रय आदेशों या क्रय संधिद्वारों से है जो भारतीय लाइसेंसधारी से प्राप्त आवेदन की पुष्टि करने के बाद विदेशी संभरक द्वारा विधिवत समर्थित हों या भारतीय आयातक और विदेशी संभरक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित हों। विदेशी संभरकों को भारतीय अधिकारियों के आदेश और/या ऐसे भारतीय अधिकारियों द्वारा पुष्टिकरण आदेश स्वीकरणीय नहीं है।

1(6) चार महीनों की अवधि के भीतर ठेकों की इस शर्त का तब तक अनुपालन किया गया नहीं गमना जाएगा जब तक कि ठेके के पूर्ण दस्तावेज आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से चार महीनों के भीतर वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, जापान अनुभाग को नहीं पहुंच जाते हैं। यदि उपर्युक्त पैरा 1(5) में यथा उल्लिखित पक्के आदेश चार महीनों के भीतर वैध कारणों से नहीं दिए जा सकते हैं तो चार महीनों के भीतर आदेश क्यों नहीं दिए जा सके इन कारणों का उल्लेख करते हुए लाइसेंसधारी को आयात लाइसेंस को सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत कर देना चाहिए। आदेश देने की अवधि में वृद्धि के लिए ऐसे आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पात्रता के आधार पर विचार किया जाएगा। वे अधिक से अधिक चार महीनों की और अवधि के लिए वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन, यदि वृद्धि इस लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 4 महीनों से अधिक के लिए मांगी जाती है तो ऐसे प्रस्ताव निरपवाद रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग), नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को भेजे जाएंगे जो कि ऐसी वृद्धि के लिए प्रत्येक मामले की पात्रता के आधार पर विचार करेंगे और अपना निर्णय लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजेंगे जिसे वे लाइसेंसधारी को प्रेषित करेंगे।

पोतलदान के लिए आखिरी तिथि निश्चित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह तिथि 31-3-1982 के बाद की न हो।

खण्ड-2—संभरण ठेके का समझौता करने समय ध्यान में रखी जाने वाली विशेष बातें :— 2(1)(क) ठेके का मूल्य येन या यू० एन० डालर या पीछ स्टालिंग में एक येन, एक सेन्ट या एक पेनी से कम की भिन्न के बिना ही अभिव्यक्त होना चाहिए। और इसमें भारतीय अधिकारों का कमिशन, यदि कोई हो तो वह शामिल नहीं होना चाहिए जो कि भारतीय रुपये में चुकाना चाहिए। भारतीय रुपये या किसी अन्य मुद्रा में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिए। जहाज पर्यंत निःशुल्क लागत-बीमा और भाड़ा घनराशि अलग-अलग प्रवर्गित की जा सकती है परन्तु ठेके में घात स्पष्ट कर देनी चाहिए कि भाड़े का खर्च वास्तविक आधार पर देय होगा या ठेके में निविष्ट किए गए भाड़े का खर्च वास्तविक खर्चों के अतिरिक्त देय घनराशि होगी।

(ख) सविदा में नकद आधार पर अर्थात् बैंक ऑफ इण्डिया, टोकियो को जापानी संभरकों द्वारा पोतलदान दस्तावेजों को प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए।

(ग) क्रय आदेश और संभरक द्वारा पुष्टिकरण आदेश केवल अंग्रेजी में होने चाहिए।

2(2) आयात लाइसेंस के मद्दे केवल एक सविदा की जानी चाहिए। विशेष मामलों में एक से अधिक सविदा की प्रविष्टि की अनुमति दी जा सकती है जिनके लिए वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग से आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि के तत्काल बाद पूर्व अनुमोदन ले लेना चाहिए।

2(3) संभरक की पात्रता :

संभरक पात्र स्रोत देशों का राष्ट्रिक होगा या पात्र स्रोत देशों में पंजीकृत और समाधिष्ट न्यायिक व्यक्ति होगा।

खण्ड-3 संभरण ठेकों में निम्नलिखित शर्त विशेष रूप से समाधिष्ट होनी चाहिए :—

3(1) 1980-81 के लिए 2.46 बिलियन के अनुदान सहायता से सम्बद्ध इस सविदा की व्यवस्था 18 मार्च, 1981 को भारत और जापान की सरकार के बीच हुए समझौते के अनुसार की गई है।

3(2) विदेशी संभरकों को भुगतान उस "भुगतान के लिए प्राधिकार-पत्र" (ए/पी) के माध्यम से किया जाएगा जो 1980-81 के लिए जापानी अनुदान सहायता के अधीन बैंक ऑफ इण्डिया, टोकियो के नाम में सहायता एवं लेखापरीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, यू० सी० ओ० बैंक बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001 द्वारा जारी किया जाएगा।

3(3) विदेशी संभरक ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होगा जो एक और चारन सरकार द्वारा और दूसरी और जापान सरकार द्वारा अश्वित हो।

3(4) उस मामले में जिसमें संभरक जापान में स्थित हो और भारतीय दूतावास, टोकियो के परामर्श से पोतलदान की व्यवस्था करने की तैयार है और उसके लिए सम्बन्धित माल की सुरक्षा के कार्यक्रम की भारतीय दूतावास, टोकियो को सूचना देगा और अपेक्षित पोत परिश्रम के लिए 4 मास पहले ही भारतीय दूतावास, टोकियो को अधिसूचित करवाएगा जिसमें उचित व्यवस्था की जाए। विशेष मामलों में, जहां भारतीय आयातक यह चाहता हो तो अधिसूचना की अवधि कम की जा सकती है। आवश्यक ब्यौरे देने हुए प्रत्येक पोतलदान के बाद जापानी संभरक को आयातक को केवल सूचना भेजने के लिए भी सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड-4—भारत सरकार द्वारा ठेके का अनुमोदन :

4(1) जैसे ही आदेशों को अंतिम रूप दे दिए जाते हैं, लाइसेंसधारी को दोनों पार्टियों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित ठेके की चार प्रतियां या समुद्र-पार संभरकों को भारतीय आयातक द्वारा दिए गए क्रय आवेदन के साथ समुद्रपार संभरक द्वारा निश्चित रूप में पुष्टिकरण आदेश की चार प्रतियां या सभी प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियों के साथ अनुबन्ध-3 के प्रश्न प्रपत्र में "ए/पी जारी करने के आवेदन" की 2 प्रतियों सहित संगत वैध आयात लाइसेंस की 2 फोटो प्रतियां भवर सचिव (टीए) आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए। उपर्युक्त प्रक्रिया सविदा की शिष्यवस्तु या उसकी कीमत के आवश्यक प्राणोदधनों से उत्पन्न सभी सविदा संशोधनों के लिए भी लागू होगी।

4(2) यदि ठेके के दस्तावेज, "ए/पी जारी करने के लिए आवेदनपत्र" और अन्य सम्बन्धित दस्तावेज नहीं पाए जाएंगे तो वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) जापान अनुभाग ठेके का अनुमोदन करेगा और उपर्युक्त (1) में उल्लिखित दस्तावेज के एक सेट को सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, और भारत के राजदूतावास, टोकियो को भेजने की व्यवस्था करेगा।

4(3) उपर्युक्त (2) में उल्लिखित दस्तावेज की प्राप्ति के बाद सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001 बैंक ऑफ इण्डिया, टोकियो के लिए अनुबन्ध-4 के रूप में विदेशी संभरकों को भुगतान करने के लिए "भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी)" जारी करेगा। ए/पी की प्रतियां भारत के राजदूतावास, टोकियो, आयातक, भारत में आयातक के बैंक और जापान अनुभाग, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाएंगी।

4(4) भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्राप्ति के बाद बैंक ऑफ इण्डिया, टोकियो जापान की सरकार, भारत के राजदूतावास, टोकियो, भारत के बैंक के आयातक और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को सूचना देते हुए इस प्राप्ति की सूचना से संभरक को अवगत कराएगा।

4(5) पोतलदान प्रभावी करने के बाद विदेशी संभरक अपने बैंकों के माध्यम से ए/पी में उल्लिखित दस्तावेज बैंक ऑफ इण्डिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा। यदि दस्तावेज सही पाए गए तो बैंक ऑफ इण्डिया, टोकियो दस्तावेज में उल्लिखित धनराशि को विदेशी संभरक को उसके बैंकों के माध्यम से रिहा करेगा।

4(6) संभरक के लिए ए/पी जारी करने के लिए और भुगतान की व्यवस्था करने के लिए बैंक ऑफ इण्डिया, टोकियो को देय बैंक खर्च, भारत में आयातक के सम्बन्ध बैंक द्वारा बैंक ऑफ इण्डिया, टोकियो को प्रेषण द्वारा सामान्य बैंक प्रणाली से भारत सरकार के लेखे को प्रभावित किए बिना ही निर्धारित किए जाएंगे।

#### खण्ड 5—रूपया जमा करने का उत्तरादायित्व

5(1) मूल विनियम पोत परिवहन दस्तावेज माय ही साथ बैंक ऑफ इण्डिया, टोकियो द्वारा भारत में आयातक के सम्बन्ध बैंक को भेजे जाएंगे जो भारतीय स्टेट बैंक या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक (जो अनुबन्ध-3 के-ए में उल्लिखित है) की शाखा होगी उस बैंक को दस्तावेजों के ये विनियम सेंट केवल इस बात का सुनिश्चय कर लेने के बाद ही सम्बन्ध आयातक को देने चाहिए कि विदेशी संभरक को चुकाई गई येन/यू०एस० डालर/पौण्ड स्टार्लिंग धनराशि के बराबर रूपया उन मामलों में जहां देने योग्य है व्याज के खर्च सहित संभरक को भुगतान कर दिया है और उस धनराशि पर विदेशी संभरक को बैंक ऑफ इण्डिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तिथि से वास्तविक रूपया जमा करने की तिथि तक ही की अवधि पर पहले 30 दिनों के लिए 9 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से और शेष अवधि के लिए 15 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से हिमाव लगाकर व्याज सार्वजनिक सूचना सं० 46-आईटीसी (पी एन)/76, दिनांक 16-6-76 के अनुसार सरकारी लेखा में जमा कर दिया गया है। व्याज दोनों दिनों, अर्थात् जिस दिन विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है, और जिस दिन सरकारी लेखे में रूपया जमा किया जाता है, के लिए देय है। देखिए सार्वजनिक सूचना संख्या-103 आई टीसी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 द्वारा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं० 74-आईटीसी० (पी०एन०)/74, दिनांक 31-5-74 भुगतानों की येन/यू०एस० डालर/पौण्ड धनराशि के बराबर रूपए की गणना करने के लिए अपनाई जाने वाली विनियम दर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचना सं०-8 आई० टी० सी० (पी०एन०)/76, दिनांक 17-1-76 में निर्धारित मुद्रा विनियम की मिश्रित दर होगी या वह दर होगी जो कि मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनियम नियंत्रण परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित की जाए। इस सम्बन्ध में कोई भी परिवर्तन जब और जैसे ही आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। इस बात का सुनिश्चय करने का उत्तरादायित्व सम्बन्ध, भारतीय बैंक का होगा कि आयात दस्तावेज आयातकों को सौंपने से पहले ही देय धनराशि सरकारी लेखे में सही रूप से जमा कर दी गई है। लाइसेंसधारी को भी यह सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि अपने बैंकों से दस्तावेज लेने से पहले ही देय धनराशि लेखे में सही रूप से जमा कर दी गई है। जिस लेखा शीर्ष में उपयुक्त रूपया जमा करना चाहिए वह “के डिपोजिट्स एण्ड एडवांसिज 843 सिविल डिपोजिट्स—डिपोजिट्स फोर परचेजिंग एट एम्प्टी एन्ड परचेजिंग परचेस ग्रान्ट ऐंड फ्राम गवर्नमेंट ऑफ जापान फार 1980-81 (येन 2.46 बिलियन ग्रान्ट ऐण्ड ऋण सहायता)।”

5(2) उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, तीस हजारी, दिल्ली में सरकार की साख में भुक्त जमा हवी चाहिए, या यदि वह सुविधाजनक न हो तो स्टेट बैंक

ऑफ इण्डिया की किसी शाखा या इसके उपसंसि किम्भी राष्ट्रीयकृत बैंक इण्डिकर्सी से प्राप्त एक हूण्टी (डिमाण्ड ड्राफ्ट) के माध्यम से स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, तीस हजारी शाखा, दिल्ली-6 (हूण्टी ग्राहक और प्राप्त) की सार्वजनिक सूचना सं० 184 आईटीसी (पी एन)/68, दिनांक 30-8-68 सं० 233-आई० टी० सी० (पी० एन०)/68, दिनांक 24-10-68, सं० 132-आई० टी० सी० (पी० एन०)/71, दिनांक 5-10-71, सं० 74-आई० टी० सी० (पी० एन०)/74, दिनांक 31-5-74 और सं० 103-आई० टी० सी० (पी० एन०)/76, दिनांक 12-10-76 में यथा निर्धारित सरकारी लेखे में जमा करने के लिए धन प्रेषण करना चाहिए।

5(3) सरकार द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बाद नात दिनों के भीतर सम्बन्ध भारतीय बैंक भी उपर निर्धारित तरीके से यह अतिरिक्त धनराशि सेवा खर्चों के निमित्त भेजेगा जो भारत सरकार द्वारा मांगी जाए। चालान के विभिन्न कालों का भन्ने समय आयातकों/उनके बैंकों को इस बात का सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना संख्या 103-आई० टी० सी० (पी० एन०)/76, दिनांक 12-10-76 के साथ पढ़ी जाने वाली सार्वजनिक सूचना संख्या 132-आई० टी० सी० (पी० एन०)/71 दिनांक 5-10-71 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना और सार्वजनिक सूचना सं० 74-आई० टी० सी० (पी० एन०)/74, दिनांक 31-5-74 में भी निर्धारित सूचना चालान के कालम “धन परेषण और, प्रधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण व्योरे” में निरपवाद रूप से निर्दिष्ट किए गए हैं। खजाना चालान में निम्नलिखित व्योरे निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए :—

(क) वित्त मंत्रालय के भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र सं० और दिनांक।

(ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके सम्बन्ध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाने है।

(ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि।

(घ) चुकाए गए व्याज की धनराशि और वह अवधि जिसके लिए यह निना गया है।

(ङ) जमा की गई कुल धनराशि।

(व्याज की गणना विदेशी संभरक को भुगतान की तिथि से सरकारी लेखे में समतुल्य रूपया जमा करने की तिथि तक की अवधि के लिए की जानी है)।

उसके पश्चात् सी०ए०ए०एण्ड ए० द्वारा जारी किए गए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र का संवर्ध देते हुए और बीजक तथा पोत परिवहन दस्तावेजों का संलग्न करते हुए खजाना चालान रूपया जमा करने का माध्य देते हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी०ए०ए०एण्ड ए० को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी :—भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चय करना चाहिए कि रूपए का निक्षेप बैंक ऑफ इण्डिया, टोकियो से अवश्यगी की सूचना और अपरिवर्तनीय पोतलदान दस्तावेजों की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया जाना चाहिए और यह कि इसके तत्काल बाद सी०ए०ए०एण्ड ए०, वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), नई दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

5(4) भारत में सम्बन्ध बैंक ऑफ इण्डिया, को लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति पर रूपया निक्षेपों की धनराशि का पृष्ठांकन करना चाहिए और अपेक्षित “एस” प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया को भेजना चाहिए।

#### खण्ड-6—विधि शर्तों :

6(1) आयात लाइसेंस के उपयोग की रिपोर्ट :

भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी होने के बाद आयातक को पोतलदानों और उनके अधीन किए गए भुगतानों के सम्बन्ध में और जो पोतलदान होने बाकी हैं उनके विषय में एक मासिक रिपोर्ट

सी०ए०ए०ए०ए०, प्राथिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यू०सी०ओ० बैंक बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

6(2) संभरकों का विशेष शर्त अधिसूचित करना :

लाइसेंसधारी को चाहिए कि वे आयात लाइसेंस की उन विशेष शर्तों से संभरक को भ्रवण करावें जो समझौते का पालन करने में संभरकों पर प्रभाव डाल सकते हैं।

6(3) विवाद :

यह समझ लेना चाहिए कि लाइसेंसधारी और संभरकों के बीच यदि कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। बैंक आफ इण्डिया, टोकियो द्वारा भुगतानों से पूर्व संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्त साफ-साफ "भुगतान के नियम" के अधीन अनुबन्ध-1 में वर्णित जानी चाहिए। विवादों से निपटने की शर्तों के नीचे में शामिल जानी चाहिए।

6(4) भविष्य अनुदेश :

आयात लाइसेंस या उसके सम्बन्ध में उठ खड़े होने वाले किसी मामले या सभी मामलों से सम्बन्धित जापान से 1980-81 के लिए अनुदान सहायता के अधीन सभी आचार्यों का पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए निर्देशों या अनुदेशों या आदेशों का लाइसेंसधारी को तुरन्त पालन करना होगा।

6(5) प्रतिक्रमण या उल्लंघन :

उपयुक्त खण्डों में स्थिर की गई शर्तों के प्रतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्रवाई की जाएगी।

6(6) अनुबन्धों की सूची :-

अनुबन्ध-1. पात्र स्रोत क्षेत्रों की सूची

अनुबन्ध-2. पात्र पण्य वस्तुओं की सूची

अनुबन्ध-3. भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन करने का प्रपत्र

अनुबन्ध-4. भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) का प्रपत्र।

#### अनुबन्ध-1

#### पात्र स्रोत देशों की सूची

(क) विकासशील देश तथा उसके क्षेत्र :

(क-1) नान-ओ०पी०ई०सी० विकासशील देश

1. अफ्रीकी, उत्तरी सहारा:

मिश्र

बोरोका

सुनीशिया

2. अफ्रीका, दक्षिणी सहारा:

मंगोला

बोत्सवाना

बरन्डी

केमेरन

केप वर्डी द्वीप समूह

केन्द्रीय अफ्रीकन गणतंत्र

चाड

कमोरो द्वीप समूह

इथोपिया

जाम्बिया

(1) पहले स्पेनी गिनी का प्रदेश, परनेडो पी० द्वीप समूह।

(2) निम्नलिखित द्वीपों सहित : असेन्शन, ट्रिस्टन डा कन एक्से- सिबिलिस, नाइटिंगेल गफ।

(3) मुख्य द्वीप समूह, अरूबा, बोनाहरे क्युराकाओं साहा सेंट यूस्टा सिट, सेंट मार्टिन (दक्षिण भाग),

कामो, बमोह गणराज्य

इक्वेटोरियल गार्ईना

घाना

गिनी

ग्राबरी कोस्ट

कीनिया

सेसांथ

लाइबीरिया

मानाकासी गणतंत्र

मलावी

माली

मार्तेनिया

मारीशस

मोजाम्बीक

नाइजरा

पुतंगाल गिनी

रियनियन

रोडेनिया

रवान्डा

सेंट हेलेना और डेप (2)

सामोटा प्रिन्साइड

सेनेगल

सेजिलिज

सियरा लिओन

सोमालिया

सूडान

स्वाजीलैंड

टेरें अफार्स और इरसास

टोमो

युगान्डा

तन्जानिया गणतंत्र संघ

अपर वोल्टा

जाभरे गणतंत्र

जाम्बिया

3. अमेरिका-उत्तरी और केन्द्रीय :

बेहमस

बारबाडोज

बेलाइज

बरमुडा

कोस्टोरिका

क्यूबा

डोमिनिकन गणतंत्र

एल साल्वेडोर

गुवाडेलोप

ग्वाटेमाला

हैती

होन्डूरस

जेमैका

मार्टिनिक-क्यू

मेक्सिको

नीदरलैन्ड एंटाइसोस

निकारागुआ

पनामा

सेंट पियरी और मिक्यूलोन

ट्रिनिडाड और टोबागो

अमेरिका-उत्तरी और केन्द्रीय (क्रमशः)

वेस्ट इन्डिज (शाखा) एन० आई० ई०

(क) संबंधित राज्य (1)

(ख) आश्रित राज्य (2)

4. दक्षिणी अमरीका :

अर्जेंटीना

बोलिविया

ब्राजील

चिली

कोलम्बिया

फाल्कलैंड द्वीप समूह

फ्रांसिसी गिनी

गुयाना

पाराग्वे

पीरू

सूरिनाम

उरुग्वे

5. मध्य पूर्वी एशिया :

बेहरीन

इजराइल

जोर्डन

लेबनान

ओमान

सिरियाई अरब गणतंत्र

यूनाइटेड अरब एमिरात

यमन अरब गणतंत्र (3)

यमन जनवादी डी० आर० (4)

6. दक्षिण एशिया :

अफगानिस्तान

बांग्ला देश

भूटान

बर्मा

भारत

मालदीव

नेपाल

पाकिस्तान

श्रीलंका

7. मुख्य पूर्वी एशिया :

बुर्नेई

हांगकांग

खमोर गणतंत्र

कोरिया गणतंत्र

लाओस

मकाओ

मलेशिया

फिलिपाइन

सिंगापुर

ताइवान

थाइलैंड

तिमोर

वियतनाम गणतंत्र

वियतनाम जनवादी गणतंत्र

8. ओसिनिया :

कोक द्वीप समूह

फिजी

गिल्बर्ट और इलाइस द्वीप

फ्रांसिसी पोलिनेशिया (5)

नौरू

न्यूकोलेडोनिया

न्यूहेसिस (ब्रि और फ्र०)

हियू

पैसिफिक द्वीप समूह (संयुक्त राज्य) (6)

पापुआ न्यू गिनी

सोलोमन द्वीप समूह (ब्रि)

टोंगो

वालिस और फतुना

पश्चिमी समाओ

9. यूरोप :

साइप्रस

जिब्राल्टर

ग्रीक

माल्टा

स्पेन

तुर्की

युगोस्लाविया

(क-2) ओ० पी० ई० सी० के सबस्य या सहयोगी देश :

अल्जीरिया

बोलिविया

लीबियाई अरब गणतंत्र

रोमान

नाइजीरिया

इक्वेडोर

क्वेन्जुएला

ईराक

ईराक

कुवैत

कातार

सऊदी अरब

माल्दिवी

इन्डोनेशिया

(1) मुख्य द्वीप : एन्टिगुवा बार्बुडा, ग्रेनेडा, सेंट किट्स (सेंट क्रिस्टोफो) नेविल अगुइला, सेंटवुशिया और सेंट विसेन्ट ।

(2) मुख्य द्वीप : मोल्तेसरन, सेमान, तुर्क और काइकोस और ब्रिटिश वर्जिन द्वीप समूह ।

(3) अजमान, डूबल, फजाइर, रास अल खैमाह शारजाह और उम अल क्वैन ।

(4) अवन और विभिन्न सुल्तनत और अमीरत सहित ।

(5) सोसवटी द्वीपसमूह (ताहिती सहित) को शामिल करते हुए फ्रांसीसी द्वीप समूह टमोमोट, जाम्बियन ग्रुप और मार्कन द्वीप समूह

(6) पैसिफिक द्वीप समूह का ट्रस्ट प्रदेश : कारोलीन द्वीप समूह, मार्शल द्वीप समूह और मेरिना द्वीप समूह (गाम को छोड़कर) ।

## अनुबंध-2

## पात्र पण्य सूची

1. रोल्लज ।
2. विशेष इस्पात और मिश्रधातु इस्पात सहित इस्पात ।
3. ट्रकों और ट्रैक्टरों के विनिर्माण के लिए संघटक, संयोजक और पुर्जे ।
4. रसायन ।
5. जापान अनुदान परियोजना और भारत-जापान संयुक्त उद्यम के लिए फालतु पुर्जे, संघटक और कच्चा माल ।
6. बिजली के हलों के लिए संघटक, संयोजक और फालतु पुर्जे ।
7. मशीनरी, संघटक, संयोजन, फालतु पुर्जे और कच्चा माल ।
8. भारत के राष्ट्रीय लघु उद्योग नियम के लिए मशीनरी और उपस्कर ।
9. तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग परियोजना के लिए मशीनरी और उपस्कर ।
10. उर्वरक और ऐसी अन्य मर्चे जिनपर आपस में सहमति हो ।

## अनुबंध 3

भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए प्रार्थना-पत्र सं०

सेवा में,

दिनांक . . . . .

सहायता लेखा तथा लेखापरीक्षा नियंत्रक,  
वित्त मंत्रालय  
आर्थिक कार्य विभाग,  
यू० सी० ओ० बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल,  
पालियामेंट स्ट्रीट,  
नई दिल्ली-110001

विषय : 1980-81 के लिए 2.46 बिलियन जापानी अनुदान सहायता येन के अधीन जापान से आयात ।

महोदय,

ऊपर उल्लिखित अनुदान सहायता के अधीन . . . . . जापान से . . . . . जो कि . . . . . आयात के संबंध में हैं . . . . . सम्बद्ध संभरक के नाम के नाम में बैंक आफ इंडिया, टोकियो के लिए भुगतान के लिए प्राधिकार-पत्र जारी करने के लिए हम आपको निम्नलिखित ध्येय प्रस्तुत करते हैं :-

- (क) भारतीय आयातक का नाम और पता ।
- (ख) आयात लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य और वह तारीख जिस जिस तक वैध है ।
- (ग) प्राप्ति के तरीके—क्या यह सीधे त्रय या औपचारिक खुले अंतर्राष्ट्रीय निविदा पर आधारित है । इसके मामले में यदि कोई कारण हो तो कारण सहित यह संकेतित होना चाहिए कि क्या संविदा का निर्णय उपयुक्त न्यूनतम तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है ।
- (घ) माल का सक्षिप्त विवरण
- (ङ) माल का उद्गम देश
- (च) संविदा का कुल लागत भाड़ा मूल्य (येन में)
- (छ) यदि कोई हो तो भारतीय रुपये में भुगतान की जाने वाली भारतीय एजेंट के कमिशन की धनराशि

- (ज) वह कुल लागत तथा भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की आवश्यकता है ।
- (झ) संभरकों के साथ की गई संविदा की संख्या और दिनांक ।
- (ञ) संभरक का नाम और पता ।
- (ट) वे भुगतान शर्तें और संभावित तिथि जिनकी संविदा के अंतर्गत भुगतान देय होंगे ।
- (ठ) सुपुर्वगी को पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि
- (ड) भारतीय बैंक टोकियो को भुगतान करते समय लिए जाने वाले वस्तावेज । प्रत्येक सेट की संख्या और निवृत्ति का संकेत करें । प्रत्येक सेटों की सं० और उनका निपटान दिखाते हुए ।
- (ढ) पोतलदान अनुदान (वाहतान्तरण/पार्ट-शिपमेंट की अनुमति दी गई है या नहीं) निदिष्ट कीजिए ।
- (त) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता
- (थ) क्या उसी लाइसेंस के अंतर्गत संविदा (संविदाओं) कर दी गई है । यदि हां, तो ऐसी संविदा की दिनांक और मूल्य ।

भवदीय ।

## अनुबंध-4

## संख्या

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

नई दिल्ली, दिनांक :

सेवा में,

बैंक आफ इंडिया,  
टोकियो शाखा,  
टोकियो (जापान)

विषय : 2.46 बिलियन के लिए जापानी अनुदान सहायता के अधीन आयात भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना ।

प्रिय महोदय,

1. आपके बैंक के साथ 13.3.79 को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा यथा संलग्न ध्येय (जो परिशिष्ट में वर्णित किए हैं) के अनुसार सर्वोच्च . . . . . के नाम में . . . . . येन धनराशि के भुगतान के लिए प्राधिकृत किया जाता है ।

2. कृपया भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की पावती के बारे में संभरकों को सूचना दें और इसकी प्रत्येक सूचना पत्र की एक प्रति जापान सरकार आयातक बैंक, भारत के राजदूतावास, टोकियो और वित्त मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाए ।

3. भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की शर्तों के अनुसार भुगतान परिशिष्ट में यथा संकेतित लदान दस्तावेजों के आधार पर किया जाएगा ।

4. आयातक द्वारा आपको वस्तावेज को भेजने आदि के लिए भाड़े सहित भुगतान किए जाने वाले बैंकिंग भाड़े टोकियो में भारतीय दूतावास/आयातक के बैंक द्वारा निर्धारित किए जाएंगे ।

5. जैसे ही संभरक द्वारा प्रस्तुत किए गए लदान दस्तावेज के आधार पर आपके द्वारा कोई भी भुगतान किया जाता है तो इसकी सूचना निर्धारित प्रपत्र में मंत्रालय और आयातक के बैंक को भेजी जानी चाहिए ।

6. इस मंत्रालय की विशेष अनुमति के बिना भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र के लिए कोई भी सशोधन जारी नहीं किया जा सकता है।

7. यह भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र ..... तक वैध रहेगा

भवदीय,

लेखा अधिकारी

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित :-

1. आयातक ..... को उनके पत्र संख्या ..... दिनांक ..... के संदर्भ में।

2. आयातक का बैंक ..... उनसे निवेदन किया जाता है कि भारतीय बैंक आफ इण्डिया टोकियो ब्रांच से वस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरकों को येन / यू.एस. डालर / पाउंड के बराबर रुपया जमा करने की व्यवस्था करें। विदेशी संभरकों को चुकायी गई धनराशि के बराबर रुपए की गणना सार्वजनिक सूचना सं० 8-आई० टी० सी० (पी० एन०)/76 दिनांक 17-1-76 या अन्य ऐसी सार्वजनिक सूचना जो समय पर जारी की जाए, के अनुसार विदेशी संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन की मिश्रित दर पर की जाएगी। विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि से सरकार के लेखे में तुल्य रुपया जमा करने की तिथि तक की अवधि के लिए सार्वजनिक सूचना सं० 46-आई० टी० सी० (पी० एन०)/76 दिनांक 16-6-76 के अनुसार पहले 30 दिनों के लिए 9 प्रतिशत वार्षिक दर पर और इसके अधिक की गणना की गई अवधि के लिए 15 प्रतिशत की दर से व्याज भी सरकारी लेखे में जमा कराना होगा। व्याज दोनों दिनों के लिए दिया जाएगा अर्थात् वह तिथि जिसको विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और वह तिथि भी जिसको सरकारी लेखे में रुपया निक्षेप किया जाता है। (इस दर में यदि कोई परिवर्तन किया गया तो तुरन्त उसकी सूचना दी जाएगी)। यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक को सीमा शुल्क निकासी के लिए आयात वस्तावेजों का मूल सेट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जानी है।

ये धनराशियां या तो रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली में जमा करनी चाहिए या स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा या इसकी अनुसंगी संस्थाओं या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक से उनके द्वारा प्राप्त की गई स्टेट बैंक आफ इंडिया तीस हजारी शाखा, दिल्ली-6 (आदेष्टित और आदाता) के नाम में और उसकी वेब दर्शनी हुन्डी के माध्यम से करनी चाहिए। इस संबंध में आपका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं० 233-आई० टी० सी० (पी० एन०)/68, दिनांक 24-10-68, सं० 132-आई० टी० सी० (पी० एन०)/71, दिनांक 5-10-71, सं० 74-आई० टी० सी० (पी० एन०)/74, दिनांक 31-5-74 और सं० 103-आई० टी० सी० (पी० एन०)/76, दिनांक 12-10-76 की शर्तों की ओर विनाया जाता है। लेखा शीर्ष जिसमें धनराशि जमा की जाएगी वह "के डिपोजिट्स एंड एडवांसिज-843 सिविल डिपोजिट्स—डिपोजिट्स कार परचेजिस एटसेक्रेटरी एंड्राइ-परचेजिस ग्रांट ऐंड फ्राम दि गर्वनमेंट आफ जापान फार 1980-81 (येन 2.46 बिलियन ग्रांट ऐंड डेवट रिलीफ)"।

जिन मामलों में तुल्य रुपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी में सार्वजनिक सूचना सं० 132-आई० टी० सी० (पी० एन०)/71, दिनांक 5-10-1971 के अनुसार नकद जमा किया जाता है उनमें जालान की मूल रूप में एक प्रतिनिधि बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणी का पूर्ण विवरण देते हुए अवरोधपत्र सहित उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजी जाएगी :- सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) पहली मंजिल, यू० सी० ओ० बैंक बिल्डिंग संसद मार्ग, नई दिल्ली।

जिन मामलों में तुल्य रुपया ऊपर संकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शनी हुन्डी द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचना उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में व्याज की चुकाई गई धनराशि और जिस अवधि के लिए व्याज की गणना की गई है और उसके साथ जमा किए गए तुल्य रुपए का पूरा डोरा इन विभाग को भेजना चाहिए।

समुद्रपार संभरक के बैंक के खर्चों सहित यदि कोई हो तो, बैंकिंग खर्च आफ इंडिया, टोकियो ब्रांच के अन्य खर्च इंडियन बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा द्वारा सीधे ही निर्धारित किए जाएंगे।

4. भारतीय दूतावास, टोकियो

5. प्रवर सचिव (टी०ए०) शाखा, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग नई दिल्ली।

लेखा अधिकारी

## परिशिष्ट-2

जापान की सरकार द्वारा प्रदान किए गए 1980-81 के लिए 2.46 बिलियन के जापानी अनुदान सहायता के अन्तर्गत निज क्षेत्र के आयातों के सम्बन्ध में लाइसेंस शर्तें।

### खंड-1 सामान्य शर्तें

1(1) जापान की सरकार द्वारा प्रदान की गई 2.46 बिलियन जापानी अनुदान सहायता आ०ई०पी०डी० और विकासशील देशों के हक में संगठित की गई है। तदनुसार, इन ऋण के अधीन अधिप्राप्त की जाने वाली पण्य वस्तुएं और उनसे संबंधित प्रासंगिक सेवाएं जापान और अनुबन्ध-1 की सूची में उद्धृत सभी देशों से आयात की जा सकती हैं। ये देश इसे ऋण के अन्तर्गत प्राप्त लाभ देश होंगे। इस अनुदान सहायता के अधीन जो प्राप्त मर्चे आयात की जा सकती हैं उनकी सूची अनुबन्ध-2 में दी गई है।

1(2) लाइसेंस पर एक शीर्षक "1980-81 के लिए 2.46 बिलियन जापानी अनुदान सहायता" होगा। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस संकेत "एम/जे०एन०" होगा। ये प्रत्यय मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के आयात लाइसेंस के अप्रेषित पत्र में दुहराए जाएंगे।

1(3) बैंक खर्च, जिनका प्रेषण सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से किया जा सकता है, के अतिरिक्त विदेशी मुद्रा के किसी भी प्रेषण की अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अधिकर्ता के कमीशन के प्रति कोई भी भुगतान अधिकर्ता को भारतीय रुपए में चुकाना चाहिए। लेकिन, ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के हरे भाग होंगे और इसलिए, लाइसेंस पर ही प्रभावित किए जाएंगे।

1(4) आयात लाइसेंस लागत-सीमा-भाड़ा के आधार पर 12 महीनों की प्रारम्भिक वैध अवधि के साथ जारी किया जाएगा। लाइसेंस की वैधता में वृद्धि के लिए लाइसेंसधारी को संबंधित लाइसेंस प्राधिकारी से संपर्क करना चाहिए जो इस मामले में आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) से परामर्श करेगा।

1(5) पक्के आदेश अनुबन्ध-1 में उल्लिखित उ.प.न. या अन्य पात्र देशों में स्थित विदेशी संभरकों को लागत-सीमा-भाड़ा या लागत तथा भाड़ा के आधार पर या लागत और भाड़ा के आधार पर किए जाने चाहिए और वे आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों की अवधि के भीतर (प्रवर सचिव) आर्थिक कार्य विभाग, (जापान अनुभाग) तार्थ ब्लाक, नई दिल्ली को भेज दिए जाने चाहिए। "पक्के आदेशों" का अर्थ विदेशी संभरकों को भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा दिए गए उन क्रय आदेशों या कथ संविदाओं से है जो भारतीय लाइसेंसधारी से प्राप्त

आदेश की पुष्टि करने के बाद विदेशी संभरक द्वारा विधिवत् समर्पित हों या भारतीय आयातक और विदेशी संभरक द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित हों। विदेशी संभरकों को भारतीय अधिकारियों के आदेश और/या ऐसे भारतीय अधिकारियों द्वारा पुष्टिकरण आदेश स्वीकारणीय नहीं है।

1(6) चार महीनों की अवधि के भीतर ठेकों की इस शर्त का तब तक अनुपालन किया गया नहीं समझा जाएगा जब तक कि ठेके के पूर्ण दस्तावेज आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से चार महीनों के भीतर वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, जापान अनुभाग को नहीं पहुंच जाते हैं। यदि उपर्युक्त पैरा 1(5) में यथा उल्लिखित पक्के आदेश चार महीनों के भीतर वैध कारणों से नहीं दिए जा सकते हैं तो चार महीनों के भीतर आदेश क्यों नहीं दिए जा सके इन कारणों का उल्लेख करने हुए लाइसेंसधारी को आयात लाइसेंस को सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत कर देना चाहिए। आदेश देने की अवधि में वृद्धि के लिए ऐसे आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पात्रता के आधार पर विचार किया जाएगा। वे अधिक से अधिक चार महीनों की और अवधि के लिए वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन, यदि वृद्धि इस लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 4 महीनों से अधिक के लिए मांगी जाती है तो ऐसे प्रस्ताव निरपेक्ष रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, (जापान अनुभाग), नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को भेजे जाएंगे जो कि ऐसी वृद्धि के लिए प्रत्येक मामले को पात्रता के आधार पर विचार करेंगे और अपना निर्णय लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजेंगे जिसे वे लाइसेंसधारी को प्रेषित करेंगे।

पोत लदान के लिए आखिरी तिथि निर्धारित करने में इन बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह तिथि 31-3-1982 के बाद की न हो।

खंड-2 संभरक ठेके का समझौता करने समय ध्यान में रखी जाने वाली विशेष बातें:—

2(1) (क) ठेके का लागत-धीमा-भाड़ा या लागत भाड़ा मूल्य येन या यू.एस. डालर या पौंड स्टर्लिंग में एक येन, एक सेंट या एक पेनी से कम की भिन्न के बिना ही अभिव्यक्त होना चाहिए। और इसमें भारतीय अधिकारों का कमीशन, यदि कोई हो तो वह शामिल नहीं होगा चाहिए जो कि भारतीय रुपए में चुकाना चाहिए। भारतीय रुपए या किसी अन्य मुद्रा में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिए। जहाज पर्यंत निःशुल्क लागत बीमा और भाड़ा धनराशि अलग अलग प्रदर्शित की जा सकती है। परन्तु ठेके में बाव स्पष्ट कर देनी चाहिए कि भाड़े का खर्चा वास्तविक आधार पर वेब होगा या ठेके में निर्दिष्ट किए गए भाड़े का खर्च वास्तविक खर्चों के अतिरिक्त देय धनराशि होगी।

(ख) संविदा में नकद आधार पर अर्थात् बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को जापानी संभरकों द्वारा पोतलदान दस्तावेजों को प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए।

(ग) कय-आदेश और संभरक द्वारा पुष्टिकरण आदेश केवल अंग्रेजी में होने चाहिए।

2(2) आयात लाइसेंस को पूर्ण मूल्य के लिए केवल एक संविदा की जानी चाहिए। विशेष मामलों में एक से अधिक संविदा को प्रमाणित की अनुमति दी जा सकती है जिनके लिए वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग से आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि के तत्काल बाद पूर्व अनुमोदन ले लेना चाहिए।

2(3) संभरक की पात्रता :

संभरक पात्र स्रोत देशों का राष्ट्रिक होगा या पात्र स्रोत देशों में पंजीकृत और समाविष्ट न्यायिक व्यक्ति होगा।

खंड-3 संभरक ठेकों में निम्नलिखित शर्त विशेष रूप से समाविष्ट होनी चाहिए:—

3(1) 1980-81 के लिए 2.46 बिलियन के अनुदान सहायता से संबद्ध इस संविदा की व्यवस्था 18 मार्च, 1981 को भारत और जापान की सरकार के बीच हुए समझौते के अनुसार की गई है।

3(2) संभरकों को भुगतान उग "भुगतान के लिए प्राधिकार-पत्र" (ए/पी) के माध्यम से किया जाएगा जो 1980-81 के लिए जापानी अनुदान सहायता के अधीन बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो के नाम में सहायता एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, यू.सी.ओ. बैंक बिल्डिंग, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001 द्वारा जारी किया जाएगा।

3(3) विदेशी संभरक ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होगा जो एक और भारत सरकार द्वारा और दूसरी और जापान सरकार द्वारा प्रेषित हो।

3(4) उस मामले में जिसमें संभरक जापान में स्थित हो और भारतीय दूतावास, टोकियो के परामर्श से पोतलदान की व्यवस्था करने की तैयार है और उसके लिए संबंधित मांग की सुझावी के कार्यक्रम को भारतीय दूतावास, टोकियो की सूचना देगा और प्रेषित पोत परिवहन के लिए 4 मास पहले ही भारतीय दूतावास, टोकियो को अधिसूचित करवाएगा जिससे उचित व्यवस्था की जाए। विशेष मामलों में, जहां भारतीय आयातक यह चाहता हो तो अधिसूचना की अवधि कम की जा सकती है। आवश्यक ब्योरे देने हुए प्रत्येक पोतलदान के बाद जापानी संभरक को आयातक को केवल सूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

खंड-4 भारत सरकार द्वारा ठेके का अनुमोदन:—

4(1) जैसे ही आदेशों को अंतिम रूप दे दिए जाते हैं, लाइसेंसधारी को दोनों पार्टियों द्वारा त्रिविध हस्ताक्षरित ठेके की चार प्रतियां या समुद्रपार संभरकों को भारतीय आयातक द्वारा दिए गए क्रय आदेश के साथ समुद्रपार संभरक द्वारा लिखित रूप में पुष्टिकरण आदेश की चार प्रतियां या सभी प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियों के साथ अनुबन्ध-3 के प्रपत्र में "ए/पी" जारी करने के आवेदन की दो प्रतियों सहित संगत वैध आयात लाइसेंस की 2 फोटो प्रतियां और इसके साथ भारतीय स्टाम्प अधिनियम की धारा-31 के अधीन स्टाम्प आयुक्त द्वारा विधिवत न्यायनिर्णित अनुबन्ध-5 में निर्धारित प्रपत्र में बैंक गारन्टी भी अवसर सचिव (टी.ए.) आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

4(2) बैंक गारन्टी कितनी धनराशि के लिए भेजी जानी चाहिए :

बैंक गारन्टी उस विदेशी मुद्रा की धनराशि के समतुल्य रूप के लिए होनी चाहिए जिसके लिए भुगतान के लिए प्राधिकार की मांग की गई है और अनुबन्ध-5 में वर्णित गए ब्राज और अन्य खर्च भी इसमें शामिल होने चाहिए। परिवर्तन की दर राजस्व विभाग द्वारा अधिसूचित विनियम वर पर होगी जो कि मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा जारी किए गए सार्वजनिक सूचना सं० 78-आरटी टी सी (पी.एन)/74, दिनांक 6 जून, 1974 की कड़िका-2 के अनुसार आयात लाइसेंस जारी करने की तिथि को लागू होगी। इस दर का अभिप्रायः केवल लाइसेंसधारी द्वारा प्रस्तुत की गई बैंक गारन्टी के मूल्य से है। आयात की कीमत चुकाने के लिए सरकारी लेखे में रुपया जमा कराने के लिए समतुल्य रुपए का नीचे खंड-5 में वर्णित गई विधि के अनुसार हिसाब लगाया जाएगा।

4(3) यदि ठेके के दस्तावेज "ए/पी" जारी करने के लिए बैंक गारन्टी और अन्य संबंधित दस्तावेज सही पाए जाएंगे तो वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), (जापान अनुभाग) ठेक का अनुमोदन करेगा और उपर्युक्त (1) में उल्लिखित दस्तावेज के एक सेट को सहायता लेखा एवं लेखा



परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय यू.सी.ओ. बैंक इन्डिया, पटना, पानिपत स्ट्रीट, नई दिल्ली और भारत के राजदूतावास, टोकियो को भेजने की व्यवस्था करना।

4(4) उपर्युक्त खंड 4(3) में उल्लिखित दस्तावेज की प्राप्ति के बाद सहायता लेना एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, पानिपत स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001 बैंक ऑफ इंडिया टोकियो के लिए अनुबंध-1 के रूप में जापानी संभरकों को "भुगतान करने के लिए, 'भुगतान के लिए, प्राधिकार-पत्र (ए/पी)' जारी करेंगी। ए/पी की प्रतियां भारत के राजदूतावास, टोकियो, आयातक, भारत में आयातक के बैंक और जापान अनुभाग, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय को पुरठांकित की जाएंगी।

4(5) भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्राप्ति के बाद बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो, जापान की सरकार, भारत के राजदूतावास टोकियो भारत के बैंक के आयातक और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को सूचना देने हुए इस प्राप्ति की सूचना में संभरक को भवगत कराएगा।

4(6) पोटलदान प्रवर्धन करने के बाद विदेशी संभरक अपने बैंकरो के माध्यम से ए/पी में उल्लिखित दस्तावेज बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा। यदि दस्तावेज नहीं पाए गए तो बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो दस्तावेज में उल्लिखित धनराशि को विदेशी संभरक को उसके बैंकरो के माध्यम से रिहा करेगा।

4(7) संभरक के लिए ए/पी जारी करने के लिए और भुगतान की व्यवस्था करने के लिए बैंक ऑफ इंडिया टोकियो को वे बैंक खर्च भारत में आयातक के संबंध बैंक द्वारा बैंक ऑफ इंडिया टोकियो को प्रेषण द्वारा सामान्य बैंक प्रणाली से भारत सरकार के लेखे प्रभावित किए बिना ही निर्धारित किए जाएंगे।

खण्ड 5—रूपका प्रभा करने का उत्तरदायित्व

5(1) मूल विनियम पान परिवहन दस्तावेज साथ ही साथ बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो, द्वारा भारत में आयातक के संबद्ध बैंक को भेजे जाएंगे जो भारतीय स्टेट बैंक या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक (जो अनुबंध 3 के ण में उल्लिखित हैं) की शाखा होगी उस बैंक को दस्तावेजों के ये विनियम सेट केवल इस बात का सुनिश्चय कर लेने के बाद ही संबद्ध आयातक को देने चाहिए कि विदेशी संभरक को चुकाई गई येन धनराशि के बराबर रुपया उन मामलों में जहां देने योग्य है ब्याज के खर्च सहित संभरक को भुगतान कर दिया गया है और उस धनराशि पर जापानी संभरक को बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तिथि से वास्तविक रुपया जमा करने की तिथि तक ही की अवधि पर पहले 30 दिनों के लिये 9 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से और शेष अवधि के लिए 15 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से हिसाब लगाकर ब्याज सार्वजनिक सूचना सं० 46-आईटीसी (पी/एन)/76, दिनांक 16-6-76 के अनुसार सरकारी लेखा में जमा कर दिया गया है। ब्याज दोनों दिनों, अर्थात् जिस दिन विदेशी संभरक को भुगतान कर दिया जाता है, और जिस दिन सरकारी लेखे में रुपया जमा किया जाता है, के लिए देय है। देखिए, सार्वजनिक सूचना सं० 103-आईटीसी (पी/एन)/76, दिनांक 12-10-76 द्वारा संगोष्ठित सार्वजनिक सूचना सं० 74-आईटीसी (पी/एन)/74, दिनांक 31-5-74 भुगतानों की येन धनराशि के बराबर रुपए की गणना करने के लिए अपनार्ई जाने वाली विनियम दर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचना सं० 8-आईटीसी (पी/एन)/76, दिनांक 17-1-76 में निर्धारित मुद्रा विनियम की मिश्रित दर होगी या वह दर होगी जो कि मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनियम नियंत्रण परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित की जाए। इस संबंध में कोई भी परिवर्तन जब और जैसे ही आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। इस बात का सुनिश्चय करने का उत्तरदायित्व संबद्ध भारतीय बैंक का होगा कि आयात दस्तावेजों आयातकों को सौंपने से पहले ही येन धनराशि सरकारी लेखे में

महो रूप से जमा कर दी गई है। आर्सेंसधारी को भी यह सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि अपने बैंकरो से दस्तावेज लेने से पहले ही येन धनराशि लेखे में मही रूप से जमा कर दी गई है। जिस लेखा प्रीय में उपर्युक्त रुपया जमा करना चाहिए वह "के डिपोजिट एण्ड एक्वांमिज-843 सिसिल डिपोजिटम—डिपोजिटम फोर एग्जेचिज एंड /एग्जेचिज एक्सट्रा एक्वांमिज/एंड एंड फ्राम गवर्नमेंट ऑफ जापान फार 1980-81 (वेन 2, 46 बिनियम ग्रांट एंड कृण गहायता)।

5(2) उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, तीम हजारी, दिल्ली में सरकार की साख में नकद जमा होनी चाहिए, या यदि वह सुविधाजनक नहीं तो स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की किसी शाखा या इसके उपसगी किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक (हुंछीकर्ता) में प्राप्त एक हुंछी (डिमाण्ड ड्राफ्ट) के माध्यम से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, तीम हजारी शाखा, दिल्ली 6 (हुंछी शाहक और प्राप्त) की सार्वजनिक सूचना सं० 184-आईटीसी (पी/एन)/68, दिनांक 30-8-68, सं० 233-आईटीसी (पी/एन)/68, दिनांक 24-10-68, सं० 132-आईटीसी (पी/एन)/71, दिनांक 5-10-71, सं० 74-आईटीसी (पी/एन)/74, दिनांक 31-5-74 और सं० 103-आईटीसी (पी/एन)/76, दिनांक 12-10-76 में यथा निर्धारित सरकारी लेखे में जमा करने के लिए धन प्रेषण करना चाहिए।

5(3) सरकार द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बाद सात दिनों के भीतर संबद्ध भारतीय बैंक भी उपर निर्धारित तरीके से वह अतिरिक्त धनराशि सेवा खर्चों के निमित्त भेजेगा जो भारत सरकार द्वारा मांगी जाए। ज्ञातान के विभिन्न कालों को भरने समय आयातकों/उनके बैंकरो को इस बात का सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं० 103-आईटीसी (पी/एन)/76 दिनांक 12-10-76 के साथ पड़ी जाने वाली सार्वजनिक सूचना सं० 132 आई टी सी (पी/एन)/71 दिनांक 5-10-71 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना और सार्वजनिक सूचना सं० 74 आई टी सी (पी/एन)/74 दिनांक 31.5.74 में भी निर्धारित सूचना जालान के कालम "धन परेषण और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण व्योरे" में निरपवाद रूप से लिखित किए गये हैं। ज्ञातान जालान में निम्न-लिखित व्योरे निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए:—

- (क) वित्त मंत्रालय के भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र सं० और दिनांक
- (ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में अपनार्ई गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाने हैं।
- (ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि
- (घ) चुकाए गए ब्याज की धनराशि
- (ङ) ब्याज की गणना जापानी संभरक को भुगतान की तिथि से सरकारी लेखे में समस्त रूपया जमा करने की तिथि तक की अवधि के लिए की जानी है)

उसके पश्चात् सी० ए० ए० एंड ए० द्वारा जारी किए गए भुगतान के लिए प्राधिकारपत्र का संबंध देने हुए और बीजक तथा पोट परिवहन दस्तावेजों को संलग्न करते हुए खजाना जालान रुपया जमा करने का साक्ष्य देते हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी० ए० ए० एंड ए० को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी: भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चय करना चाहिए कि रुपए का निक्षेप बैंक ऑफ इंडिया टोकियो से आयातकी की सूचना और अपरिवर्तनीय पोटलदान दस्तावेजों की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया जाना चाहिए और यह कि इसके तत्काल बाद सी० ए० ए० एंड ए० वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) नई दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

5(4) भारत में संबद्ध बैंक ऑफ इंडिया को लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति पर रुपया निक्षेपों की धनराशि का पट्टांकन करना चाहिए और अपेक्षित "एम" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया बंबई को भेजना चाहिए।

5(8) वित्त मंत्रालय के सी०ए०ए०एंड ए० द्वारा जारी की गई बैंक गारंटी और प्राधिकरण के मामले में उत्तरदायित्व पूरा करने के बाद भारत में संबद्ध बैंक सी० सी० ए० एंड ए० को बैंक गारंटी की रिहाई के लिए आवेदन कर सकता है। इस प्रयोजन के लिए अनुबंध 6 में निर्दिष्ट प्रपत्र में आवेदनपत्र भेजे।

अनुबंध 6 विविध शर्तें :

6(1) आयात लाइसेंस के उपयोग की रिपोर्टें :

भुगतान के प्राधिकारपत्र जारी होने के बाद आयातक को पीतलबानों और उनके अधीन किए भुगतानों के संबंध में और जो पीतलबान होने वाले हैं, उनके विषय में एक मासिक रिपोर्ट सी० ए० ए० एंड ए० प्राथमिक कार्य विभाग वित्त मंत्रालय यूसीसी बैंक बिलिंग, संभव मांगे नहीं दिल्ली को भेजनी चाहिए।

6(2) संभरकों को विशेष शर्तें अधिसूचित करना :

लाइसेंसधारी को चाहिए कि वे आयात लाइसेंस की उन विशेष शर्तों से संभरक की अवगत करावें जो समझौते का पालन करने में संभरकों पर प्रभाव डाल सकती हैं।

6(3) विवाद :

यह समझ लेना चाहिए कि लाइसेंसधारी और संभरकों के बीच यदि कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतानों से पूर्व संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें साफ-साफ "भुगतान के नियम" के अधीन अनुबंध 1 में वर्णित जानी चाहिए। विवादों से निबटने की शर्तें ठेके की शर्तों में शामिल होनी चाहिए।

6(4) भविष्य अनुदेश :

आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित जापान से 1980-81 के लिए अनुदान सहायता के अधीन सभी आभारों को पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निदेशों या अनुदेशों या आवेदनों का लाइसेंसधारी की सुरक्षित पालन करना होगा।

6(5) प्रतिक्रमण या उल्लंघन :

उपयुक्त खंडों में स्थिर की गई शर्तों के प्रतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्वात (निबंधन) अधिनियम के अधीन उचित कार्रवाई की जाएगी।

6(6) अनुबंधों की सूची :

अनुबंध-1 पात्र क्षेत्र देशों की सूची

अनुबंध-2 पात्र पण्य वस्तुओं की सूची

अनुबंध-3 भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन करने का प्रपत्र

अनुबंध-4 भुगतान के लिए प्राधिकारपत्र (ए/पी) का प्रपत्र

अनुबंध-5 बैंक गारंटी का प्रपत्र

अनुबंध-6 बैंक गारंटी रिहा करने के लिए आवेदनपत्र का प्रपत्र

#### अनुबंध 1

##### पात्र क्षेत्र देशों की सूची

(क) विकासशील देश तथा उसके क्षेत्र :

(क-1) मान-सी० पी० ई० सी० विकासशील देश :

1. अफ्रीका उत्तरी सहारा :

मिस्र

मोरीक्को

तुनीशिया

2. अफ्रीका, दक्षिणी सहारा :

अंगोला

बोत्सवाना

बर्न्डी

कोमेरोस

केप वर्डी द्वीप समूह

केन्द्रीय अफ्रीकन गणतंत्र

चाद

कमोरो द्वीप समूह

इथोपिया

जाम्बिया

कांगो, वमोह गणराज्य

इक्वेटोरियल गार्ईना

घाना

गिनी

ग्राइवरी कोस्ट

कीनिया

लेसोथ

लाइबीरिया

मालागासी गणतंत्र

मलावी

माली

मारिटेनिया

मारीशिस

मोजाम्बीक

नाइजरा

पुर्तगाल गिनी

[रिबूनियम

रोडेसिया

रवान्डा

सेन्ट हेलेना और जेप (2)

साओटोम प्रिन्साइड

सेनेगाल

सेजिलिस

सियरा लिओन

सीमालिया

सूडान

स्वाजीलैंड

टेरों अफार्स और इस्तास

टोगो

बुर्गांडा

तन्जानिया गणतंत्र संघ

अपर वोल्टा

जाइरे गणतंत्र

जाम्बिया

## 3. अमेरिका उत्तरी और केन्द्रीय :

बेहमम  
बारबाडोस  
बेलाइज  
बरमुडा  
कोस्टोर्गिका  
क्यूबा  
डोमिनिकन गणतंत्र  
एल साल्वेडोर  
गुवाटेमाला  
ग्वाटेमाला  
हेती  
होन्डुरस  
जेमैका  
सांटोमिक-प्रिन्सिप  
मेक्सिको  
नीदरलैंड एन्टिलीज  
निकारगुआ  
पनामा  
सेन्ट पियरी और मिकेलोन  
ट्रिनिडाड और टोबागो

बेस्ट इन्डीज (शाखा) एन० प्रो० ई०

(क) संबन्धित राज्य (1) ]

(ख) प्राशिन राज्य (2)

## 4. दक्षिणी अमेरिका :

अर्जेन्टीना  
बोलिविया  
ब्राजील  
चिली  
कोलम्बिया  
फास्क्लेड द्वीप समूह  
फ्रांसिसी गिनी  
गुयाना  
पाराग्वे  
पीरू  
सूरिनाम  
उरुग्वे

## 5. मध्य पूर्वी एशिया :

बेहरीन  
इजराइल  
जोर्डन  
लेबनान

ओमान  
सिरिआई अरब गणतंत्र  
यूनाइटेड अरब एमिरात  
यमन अरब गणतंत्र (3)  
यमन जनवादी डी० प्रो० (4)

## 6. दक्षिणी एशिया :

अफगानिस्तान  
बांग्ला देश  
भूटान  
बर्मा  
मालदीव  
नेपाल  
पाकिस्तान  
श्री लंका

## 7. सुदूर पूर्वी एशिया

ब्रुनई  
हांगकांग  
खमेर गणतंत्र  
कोरिया गणतंत्र  
लाओस  
मकाओ !  
मलेशिया  
फिलिपाइन  
सिंगापुर  
ताइवान  
थाइलैंड  
तिमोर  
बियतनाम गणतंत्र  
बियतनाम जनवादी गणतंत्र

## 8. ओसिनिया :

कोका द्वीप समूह  
फिजी  
गिल्बर्ट और इलाइस द्वीप  
फ्रांसिसी पोलिनेशिया (5)  
मीरू  
न्यूकोलेडोनिया  
न्यूहेसिसेस (त्रि प्रो० फ्र)  
हिड्यू  
नेसिपिक द्वीप समूह (संयुक्त राज्य) (6)  
पापुआ न्यू गिनी  
सोलोमन द्वीप समूह (त्रि)  
टोंगो  
वालिस और फुतुना  
पश्चिमी समाघों

## 9. यूरोप :

आइसलैंड  
जिब्राल्टर  
ग्रीक

1. पट्टले स्पेन गिनी का प्रदेश, पपुए न्यू गिनी समूह

2. निम्नलिखित द्वीपों सहित : अमेगन, ट्रिस्टन डा ईल एक्ससिबिलिस, नार्थटिगेन गफ

3. मुख्य द्वीप समूह, अथवा बोनाहरे क्यूराकाघों, साहा, सेन्ट युस्टासिट सेन्ट मार्टिन (दक्षिण भाग)

माल्टा  
स्पेन  
तुर्की  
युगोस्लाविया

अनुबन्ध 3

“भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए प्रार्थना-पत्र

मक्या—

दिनांक

सेवा में,

- (1) मुख्य द्वीप : एन्टिगुवा, बार्बुडा, ग्रेनेडा, सेंट क्रिस्टम (सेंट क्रिस्टोफ़ी) बेबिल ब्रगुइला सेंट लूसिया और सेंट विसेन्ट ।
- (2) मुख्य द्वीप : मोल्तेसर्ग, मेमान, तुर्क और काइकोम, और ब्रिटिश बरजिन द्वीप समूह ।
- (3) अजमलन, डबल, फजाहरह, रास अल खेसाह गारजाह और उम अल कवेन ।
- (4) अवन और विविध मुल्तनन और असीरन सहित
- (5) सोसयटी द्वीप समूह ताहिती सहित को शामिल करते हुए आस्ट्रल द्वीप समूह टोमोट, जाम्बियर शुप और माकेसन द्वीप समूह
- (6) पेलिफिक द्वीप समूह का ट्रस्ट प्रवेश : कारोलीन द्वीप समूह मार्शल द्वीप समूह और मेरिना द्वीप समूह (गाम को छोड़कर)

(क-2) ओ० पी० ई० सी० के सदस्य या सहयोगी देश :

अल्जीरिया

बोसनिया

लीबियाई अरब गणतन्त्र

रोमान

साइप्रियस

इक्वेडोर

वेस्नेसुल

इरान

इराक

कुवैत

कातार

सऊदी अरब

शान्धुधानी

इण्डोनेशिया

## अनुबन्ध 2

पत्र पत्र सूची

1. रोज
2. विशेष हस्तात और मिश्रधातु हस्तात सहित हस्तात
3. टूकों और टूकटों के विनिर्माण के लिए संघटक, संयोजक और पुर्जे
4. रसायन
5. जापान अनुदान परियोजना और भारत-जापान संयुक्त उद्यम के लिए फालतु पुर्जे, संघटक और कच्चा माल
6. बिजली के हलों के लिए संघटक, संयोजक और फालतु पुर्जे
7. मशीनरी, संघटक, संयोजक, फालतु पुर्जे और कच्चा माल
8. भारत के राष्ट्रीय लघु उद्योग के निगम के लिए मशीनरी और उपकरण
9. तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग परियोजना के लिए मशीनरी और उपकरण
10. उर्वरक और ऐसी अन्य मदें जिन पर आपस में सहमति हो।

गहायता सेवा तथा सेवा परीक्षा नियन्त्रक,  
वित्त मन्त्रालय,  
प्राधिकार कार्य विभाग,  
यू०सी०ओ० बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल  
पार्लियामेंट स्ट्रीट,  
नई दिल्ली-110001

विषय—1980-81 के लिए 2.46 ब्रितियन जापानी अनुदान  
सहायता येन के अधीन जापान से आयात ।

महोदय,

ऊपर उल्लिखित अनुदान सहायता के अधीन .....  
जापान से ..... जोकि .....  
आयात के संबंध में है ..... सम्बंध संभरक के नाम में  
बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो के लिए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी  
करने के लिए हम आपको निम्नलिखित व्योरे प्रस्तुत करने हैं :—

- (क) भारतीय आयातक का नाम और पता
- (ख) आयात लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य और वह तारीख  
जिस तक वैध है ।
- (ग) प्राप्ति के तरीके—क्या यह सीधे क्रय या औपचारिक खुन  
अन्तरराष्ट्रीय निविदा पर आधारित है । इसके मामले में यदि  
कोई कारण हो तो कारण सहित यह संकेतित होना चाहिए  
कि क्या संविदा का निर्णय उपयुक्त न्यूनतम तकनीकी प्रस्ताव  
के आधार पर किया गया है ।
- (घ) माल का संक्षिप्त विवरण
- (ङ) माल का उद्गम देश
- (च) संविदा का कुल लागत भाड़ा मूल्य (येन में)
- (छ) यदि कोई हो तो भारतीय रुपए में भुगतान की जाने वाली  
भारतीय एजेंट के कमीशन की धनराशि
- (ज) वह कुल लागत तथा भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए भुग-  
तान के लिए प्राधिकार पत्र की आवश्यकता है ।
- (झ) संभरकों के साथ की गई संविदा की संख्या और दिनांक
- (झ) संभरक का नाम और पता
- (ट) वे भुगतान शर्तें और संभावित तिथि जिनकी संविदा के अन्तर्गत  
भुगतान किये होंगे ।
- (ठ) सुपूर्तगी को पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि
- (ड) भारतीय बैंक टोकियो को भुगतान करने समय दिए जाने वाले  
वस्तुविज्ञ (प्रत्येक सेट की संख्या और निपटान का संकेत करें)  
प्रत्येक सेटों की संख्या और उनका निपटान दिखाते हुए ।
- (ढ) पोतलदान अनुदेण (वाहनान्तरण/पाटर्निपमेंट) की अनुमति की  
गई है या नहीं सिद्धि की जाए ।
- (ण) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता
- (थ) बैंक गारन्टी(यों) की संख्या, दिनांक और मूल्य और वह कब  
तक वैध है, को भी दर्शाया जाए ।
- (द) क्या उसी लाइसेंस के अन्तर्गत संविदा (संविदाओं) कर ली  
गई है, यदि हां, तो ऐसी संविदा की दिनांक और मूल्य ।

भवदीय,

## अनुबन्ध 4

संख्या .....

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

नई दिल्ली, दिनांक .....

सब से,

बैंक ऑफ इंडिया,  
टोकियो शाखा,  
टोकियो (जापान)

विषय—246 बिलियन के लिए जापानी अनुदान सहायता के अर्धम  
आयात भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

1. आपके बैंक के साथ 13-3-79 को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एनवू द्वारा यथा संलग्न व्योरे (जो परिशिष्ट में दर्शाए गए हैं) के अनुसार सर्वोच्च ..... के नाम में ..... येन धनराशि के भुगतान के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. ऊपर्युक्त भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की पावती के बारे में सभरकों को सूचना दें और इसकी प्रत्येक सूचना पत्र की एक प्रति जापान सरकार, आयातक बैंक, भारत के राजदूतावास, टोकियो और इस मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाए।

3. भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की शर्तों के अनुसार भुगतान परिशिष्ट में यथा संकेतित लदान दस्तावेजों के आधार पर किया जाएगा।

4. आयातक द्वारा आपको दस्तावेज को भेजने आदि के लिए भाड़े सहित अदा किए जाने वाले बैंकिंग भाड़े टोकियो में भारतीय दूतावास/आयातक के बैंक द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

5. जैसे ही सभरक द्वारा प्रस्तुत किए गए लदान दस्तावेज के आधार पर आपके द्वारा कोई भी भुगतान किया जाता है तो इसकी सूचना निर्धारित प्रपत्र में मंत्रालय और आयातक के बैंक को भेजी जानी चाहिए।

6. इस मंत्रालय की विशेष अनुमति के बिना भुगतान के लिए प्राधिकारपत्र के लिए कोई भी संशोधन जारी नहीं किया जा सकता है।

7. यह भुगतान के लिए प्राधिकारपत्र ..... तक वैध रहेगा।

भवदीय,

(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित—

1. आयातक ..... को उनके पत्र संख्या ..... दिनांक ..... के संदर्भ में।

2. आयातक का बैंक ..... उनसे निवेदन किया जाता है कि भारतीय बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो, ब्रांच से दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी सभरकों को येन/यू०एस०डॉलर/पीएंड के बराबर रुपया जमा करने की व्यवस्था करें। विदेशी सभरकों को चुकायी गई धनराशि के बराबर रुपए की गणना मासिक सूचना संख्या-8 आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 या अन्य ऐसी मासिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए, के अनुसार विदेशी सभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन की मिथि वर पर की जाएगी।

विदेशी सभरक को भुगतान करने की तिथि से सरकार के लेख से मुख्य रुपया जमा करने की तिथि तक की अवधि के लिए मासिक सूचना संख्या 16 आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 16-6-76 के अनुसार पट्टे 30 दिनों के लिए 9 प्रतिशत वार्षिक दर पर और इसमें अधिक की गणना की गई अवधि के लिए 15 प्रतिशत की दर पर से ब्याज भी सरकारी लेख में जमा कराना होगा। ब्याज दोनों दिनों के लिए दिया जाएगा अर्थात् वह तिथि जिसकी विदेशी सभरक को भुगतान किया जाता है और वह तिथि भी जिसकी सरकारी लेख में रुपया निक्षेप किया जाता है। (इस दर में यदि कोई परिवर्तन किया गया तो तुरन्त उसकी सूचना दी जाएगी)। यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक को सीमा शुल्क निकासी के लिए आयात दस्तावेजों का मूल सेट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जानी है।

ये धनराशियां या तो रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, लीम इजारी, दिल्ली में जमा करनी चाहिए या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की किसी शाखा या इसकी अनुपसी संस्थाओं या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक से उनके द्वारा प्राप्त की गई स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, लीम इजारी शाखा, दिल्ली-6 (आवेगित और आशाना) के नाम से और गवर्नर वरणी हुन्डी के माध्यम से करनी चाहिए। इस संबंध में आपका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं० 233 आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 24-10-68, सं० 132 आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-71, सं० 74-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 और सं० 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-1976 की शर्तों की ओर दिलाया जाता है। लेखा नीति जिसमें धनराशि जमा की जाएगी वह "के डिपोजिट्स एंड एक्वायिज-843 मिजिल डिपोजिट-डिपोजिट्स फार परबेजिम एटमेक्टा एक्वायिज-एक्वायिज ग्रांट एंड फ्राम दि गवर्नमेंट ऑफ जापान फार 1980-81 (येन 2.46 बिलियन ग्रांट एंड डेनट रिमीफ)"

जिन मामलों में मुख्य रुपया रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, लीम इजारी से मासिक सूचना सं० 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971 के अनुसार नकद जमा किया जाता है उनमें बालान की मूल रूप में एक प्रतिनिधि बैंक ऑफ इंडिया टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणी का पूर्ण विवरण देते हुए अग्रपत्र-पत्र सहित उनके द्वारा निम्नलिखित पत्र पर भेजी जाएगी—

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,  
वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग)  
पहली मंजिल, यू०सी०ओ० बैंक बिल्डिंग,  
समद मार्ग, नई दिल्ली-110001

जिस मामले में मुख्य रुपया ऊपर संकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित वरणी हुन्डी द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचना उपर्युक्त पत्र पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में ब्याज की चुकाई गई धनराशि और जिस अवधि के लिए ब्याज की गणना की गई है और उसके साथ जमा किए गए मुख्य रुपए का पूरा व्योरा इस विभाग को भेजना चाहिए।

समुद्र पार सभरक के बैंकर के खर्चों सहित यदि कोई हो तो, बैंकिंग खर्च और बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो ब्रांच के अन्य खर्च इण्डियन बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो शाखा द्वारा सीधे ही निर्धारित किए जाएंगे।

4. भारतीय दूतावास, टोकियो

5. अवग सचिव (टी ए) शाखा, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

लेखा अधिकारी

## अनुबन्ध-5

[सदस्य खण्ड 4—पैरा 4(2)]

## गारण्टी बाण्ड

सेवा में,

भारत के राष्ट्रपति,

भारत के राष्ट्रपति के लिए (इसके बाद इसे "सरकार" कहा गया)

2. 16 बिलियन येन की जापान अनुदान सहायता की शर्तों के अनुसार तथा ऊपर उल्लिखित करार के मद्दे आयातक के नाम में आयात के अनुसरण में दिनांक ..... को जारी किया गया लाइसेंस संख्या ..... का पालन करने हुए ..... के द्वारा बाद में इसे "आयातक" कहा गया है (के आयात के लिए भुगतान के लिए राजी होने हुए विदेशी मुद्रा में उपयुक्त धनराशि का संकेत करें) आयात के अनुरोध पर हम आयातक द्वारा मनोनीत ..... (टोकियो में वाणिज्यिक बैंक का नाम) ..... बैंक द्वारा भुगतान की गई धनराशि को जमा करने के लिए परिवर्तन की लागू परिस्थिति वर पर जो हम संबंध में समय-समय पर सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार परिकल्पित किया जाता है और इसके साथ 1 प्रतिशत की विदेशी संभरक को किए भुगतान की तारीख को सरकारी लेखों में क्रेडिट के लिए समतुल्य रूप के भुगतान की तारीख तक प्रथम 30 दिनों के लिए 9% वार्षिक दर से और इससे अधिक की अवधि के लिए 15% वार्षिक दर के हिसाब से व्याज के साथ भुगतान के परामर्श की पावती की प्राप्ति के दस दिनों के भीतर विधि के साथ भारत सरकार के क्रेडिट के लिए और उक्त क्रेडिट के अन्तर्गत उपयुक्त लेखा शीर्ष के लिए जैसा कि भारत सरकार द्वारा लेखा शीर्ष के मद्दे संकेतित है, व्यवस्था करने का भार लेते हैं। जापान टोकियो में नामित वाणिज्यिक बैंक द्वारा प्राप्त आयात प्रलेखों का परन्तम्य नेट आयातक को केवल तभी लौटाया जाएगा जबकि ऊपर के अपेक्षित पूरे रूप, जमा कर लिए गए हैं।

2. हम, दिनांक ..... बैंक सरकार जहां और जैसा भी, समय-समय पर निदेश दे, आयातक द्वारा समय-समय पर सरकार को दी जाने वाली किसी भी प्रकार की राशि चाहे वह बकाया हो या भुगतान करने योग्य हो या उसका कोई भी अंश जो आयातक द्वारा थोड़े समय के लिए बकाया और देय रह गया है, जिसमें विदेशी संभरक का भुगतान करने की तिथि से इस पर प्रथम तीस दिनों के लिए 9% वार्षिक दर और इससे अधिक अवधि के लिए 15% वार्षिक दर के हिसाब से व्याज भी शामिल है, ऐसी राशि जो ..... रूप से अधिक नहीं है, आयातकों द्वारा भुगतान करने में देर होगी तो उसकी क्षति से सरकार को दूर रखेंगे और उसकी क्षतिपूर्ति करेंगे। आयातक द्वारा उल्लिखित भुगतान करने में किसी प्रकार की देर होने पर अथवा उसकी ओर से और सरकार की भुगतान किए जाने योग्य राशि के संबंध में जो राशि हमारे ..... बैंक द्वारा दी जाना है, उस संबंध में सरकार द्वारा लिया गया निर्णय हमारे ऊपर ..... अंतिम और अति-वार्ध होगा।

3. हम ..... बैंक आगे इस बात पर सहमत हैं कि संबिदा के अन्तर्गत मिली जुली दर में परिवर्तन होने पर आयात के मूल्य में वृद्धि होने से या अप्रदूरे मान डुड़ाने की स्थिति में उसका मूल्य घट जाने की स्थिति में, जब से परिवर्तन हुआ है, उस परिवर्तन के अनुपात में बैंक गारण्टी बांड की धनराशि में समायोजित कर लिया जाएगा।

4. हम ..... बैंक आगे इस बात पर सहमत हैं कि हम गारण्टी में जो कुछ निहित है, वे उल्लिखित करार/संबिदा के निष्पादन होने तक पूरी शक्ति और प्रभाव के साथ लागू होंगे और उसे तब तक

कार्यान्वित रखा जाएगा जब तक सरकार के अन्तर्गत या इस गारण्टी में आने वाला सारा बकाया देय पूर्ण रूपेण चुकता न कर दिया गया हो और उसकी मांगें पूरी न हो गई हो या उन्मुक्त न हो गई हों।

5. इसमें उल्लिखित गारण्टी पर आयातक या दि ..... बैंक के संबिधान में किसी प्रकार का परिवर्तन होने से प्रभाव नहीं पड़ेगा और सरकार को यह पूर्ण स्वतंत्रता होगी कि गारण्टी को प्रभावित किए बिना आयातक और दि ..... बैंक पर लागू होने योग्य किसी भी शक्ति को किसी समय या समय-समय के लिए स्थगित करें और उपर्युक्त मामले के सन्दर्भ में या किसी कारणवश थोड़े समय के लिए आयात को या किसी अन्य स्थान जो दिया गया, इस गारण्टी के अन्तर्गत सरकार द्वारा किसी प्रकार की स्वतंत्रता बरती जाने पर यह अपनी जिम्मेदारी से उन्मुक्त नहीं होगी, लेकिन इस व्यवस्था के लिए निबन्ध या सरकार की ओर से की गई छूट या आयातक पर किए गए किसी तरह से अनुग्रह हो या कोई मामला या बात, चाहे जो भी हो, जो जिम्मेदारी के लिए ऊपर कथित उन्मुक्ति का प्रभाव नहीं पड़ेगा।

6. अन्त में हम ..... बैंक यह भार लेते हैं कि सरकार द्वारा लिखित में परामर्श पाए बिना, मुद्रा माल में इसकी गारण्टी को रद्द नहीं करेंगे।

7. इस बांड/गारण्टी के अन्तर्गत ..... रूप (इसमें व्याज तथा सभी बैंक खर्च भी शामिल हैं, इस गारण्टी की धनराशि के 1 प्रतिशत से ज्यादा होने की उम्मीद नहीं की जाती) तक सीमित रखने की हम जिम्मेदारी लेते हैं, और यह ..... दिन ..... मास ..... 19 ..... तक जब तक इसकी तारीख से छः मास के भीतर लिखित रूप से इस गारण्टी के अन्तर्गत मांगें पूरी नहीं कर दी जाती इसे लागू रखा जाएगा और जब तक \*\* उसके बाद दूसरे छ मास के भीतर अर्थात् ..... तक उनकी मांगों के लिए मुकदमा या कार्यवाई लागू न हो जाए, इस बाण्ड/गारण्टी के अन्तर्गत सरकार सभी अधिकारों से वंचित हो जाएगी और हम लोग इसके अन्तर्गत निहित जिम्मेदारियों से मुक्त और उन्मुक्त कर दिए जाएंगे।

दिन का दिनांक ..... बास्ते ..... (बैंक लि०) श्री ..... के द्वारा नाम और मोहवा (भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से स्वीकृत)

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर

\*\*यह तारीख और एक मास के साथ साठ पक्ष की वैध रखने तक की तारीख से लागू होगी।

टिप्पणी— (1) स्टाम्प पेपर का मूल्य जिसमें यह गारण्टी कार्यान्वित होने वाली है, इसके मूल्य का भारतीय स्टाम्प अधिनियम की धारा-31 के अनुसार स्टाम्प कलक्टर के द्वारा व्याज निर्णित किया जाता है।

## अनुबन्ध-6

[खण्ड 5 पैरा-5(5)]

बैंक गारण्टी मुक्त कराने के लिए आवेदन-पत्र का प्रपत्र

सेवा में,

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,

वित्त मंत्रालय,

आर्थिक कार्य विभाग

यूनाइटेड कमर्शियल बैंक बिल्डिंग,

पालियामेंट स्ट्रीट,

नई दिल्ली-110001

महोदय,

हम बैंक गारन्टी संख्या ..... विनांक ..... धनराशि रुपए ..... के अधीन अपने उत्तरदायित्व का पालन करने में हमारे द्वारा जमा किए गए रुपए की बिस्तृत जानकारी इस आवेदन के साथ नीचे प्रस्तुत कर रहे हैं कि वह बैंक गारन्टी मुक्त की जाए और हमें लौटा दी जाए :—

1. आयातक/लाइसेंसधारी जिसकी ओर से गारन्टी प्रस्तुत की गई थी, का नाम और पूरा पता ।

2. आयात लाइसेंस संख्या, विनांक मूल्य और उसके अधीन आयात के लिए अनुमति उपस्कर और/या पण्यवस्तुओं का संक्षिप्त विवरण ।

3. साख-पत्र खोलने के लिए वित्त मंत्रालय से प्राप्त किए गए प्राधिकरण(णों) के ब्यौरे:—

(क) पत्र संख्या और दिनांक

(ख) प्राधिकरण की धनराशि

(ग) 2.46 बिलियन येन की जापान अनुदान सहायता

4. आयातों और जमा किए गए रुपए के ब्यौरे (प्रत्येक प्राधिकरण के लिए अलग-अलग दिए जाने हैं)

(क) येन/यू.एस. डालर/पौण्ड में बीजक की धनराशि (वार्षिक)

(ख) जमा किए गए रुपए की धनराशि

(ग) संबंधित चालान संख्या और तारीख और राजकोष/बैंक का नाम

(घ) यदि डिमांड ड्राफ्ट द्वारा है तो डिमांड ड्राफ्ट की संख्या और दिनांक और जिसके साथ डिमांड ड्राफ्ट स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, दिल्ली को भेजा गया था उसकी संख्या और दिनांक

5. प्रत्येक प्राधिकरण में उपयोग की गई और उपयोग न की गई शेष धनराशि (येन/यू.एस. डालर/पौण्ड)

2. हम प्रमाणित करते हैं कि:—

(1) \*वित्त मंत्रालय द्वारा दिए गए प्राधिकरण (णों) में उपलब्ध (येन) की शेष धनराशि उपयोग नहीं की गई है/उपयोग नहीं की जाएगी ।

(2) विषयक बैंक गारन्टी के अधीन हमने उत्तरदायित्व विधिवत पूरे हो गए हैं ।

(3) हम पुष्टि करते हैं कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो का न्याज और बैंक के खातों और हम येन देन से संबंधित समुद्रपार संभरणों बैंकों के खातों यदि कोई हो, बैंक आफ इंडिया, टोकियो को हमने भुगतान कर दिए हैं ।

3. हम अनुरोध करते हैं कि बैंक गारन्टी रुपया मुक्त कर दी जाए और रद्द करने के लिए हमें लौटा दी जाए ।

भवदीय

(बैंक की ओर से प्राधिकृत एजेंट)

\*जो भी लागू हो ।

## MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE NO. 28-ITC(PN)/81

New Delhi, the 28th May, 1981

## IMPORT TRADE CONTROL

Subject : Licensing Condition pertaining to Japanese Grant Aid of Yen 2.46 billion (Debt relief) for 1980-81.

File No. IPC/23(14)/80-81.—The terms and conditions governing the issuance of import licences under the Japanese Grant Aid of Yen 2.46 billion (Debt Relief) for importers in both Private and Public Sectors as given in Appendix I and II to this Public Notice are notified for information.

Sd/-

MISS ROMA MAJUMDAR, Chief Controller  
of Imports and Exports

## APPENDIX

licensing Conditions in respect of Public Sector Imports under the Japanese Grant Aid of Yen 2.46 Billion (Y 2,463,559,000) (Debt Relief) for 1980-81 extended by the Government of Japan.

### Section I—General Conditions :

I(i) The Japanese Grant Aid of Yen 2.46 billion extended by the Government of Japan is untied in favour of OECD and developing countries. Accordingly the commodities and services incidental thereto to be procured under this Grant Aid can be imported from Japan and all countries enumerated in the list at Annexure-I which will be the eligible source countries under this Grant. The list of eligible commodities that can be imported under this Grant Aid is at Annexure-II.

I(ii) The licence will bear the superscription "Yen 2.46 billion Japanese Grant Aid for 1980-81". The licence code for the first and second suffix will be "SJN". These will also be repeated in the letter from the CCI&E forwarding the import licence.

I(iii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence, except bank charges which may be remitted through normal banking channels. Any payment towards Indian Agent's commission should be made in Indian rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I(iv) The import licence will be issued on CIF basis with an initial validity of 12 months. For extension of the validity of the licence, the licensee should approach the licensing authority concerned who shall consult the Department of Economic Affairs (Japan Section) in the matter.

I(v) Firm order must be placed on C&F basis on the overseas suppliers located in Japan and in other eligible countries mentioned in Annexure-I and sent to the Under Secretary (TA), Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi (within 4 months from the date of issue of the import licence). "Firm Orders" means purchase orders placed by the Indian licensee on the Overseas supplier duly supported by order confirmation by the latter or purchase contract duly signed by both the Indian importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of Overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I(vi) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Japan Section, within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para 1(v) above cannot be placed within 4 months for valid reasons the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within 4 months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If however, extension is sought beyond 4 months from the date of issue of this import licence, such proposals will invariably be referred by the licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee.

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 31-3-1982.

### Section II—Special points to be kept in view while Negotiating a supply contract

II(i) (a) The C&F value of the contract should be expressed in Yen or US Dollar or Pound Sterling without fraction less than one Yen, one Cent or one Penny and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees. In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupee or in any other currency. The FOB cost and freight among may be shown

separately but it should be clarified in the contract whether the freight charges will be payable on actual basis or whether the freight charges indicated in the contract would be the amount payable irrespective of the actual charges.

(b) The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents by the Japanese Suppliers to the Bank of India, Tokyo.

(c) The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II(ii) Only one contract should be entered into against the import licence. In exceptional cases, more than one contract may be permitted to be entered into, for which prior approval of the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import licence.

II(iii) Eligibility of Supplier :

The supplier shall be a national of the eligible source countries, or a juridical person registered and incorporated in the eligible source countries.

### Section III :

The following provision should be specifically incorporated in the supply contract :—

III(i) The contract is arranged in accordance with the Agreement dated the 18th March, 1981 between the Governments of India and Japan concerning the Grant Aid of Yen 2.46 billion for 1980-81 "and will be subject to the approval of Government of India".

III(ii) Payments to the overseas suppliers shall be made through an 'Authorisation to pay' (A/P) which will be issued by the Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 in favour of the Bank of India, Tokyo under the Japanese Grant Aid for 1980-81.

III(iii) The overseas suppliers agree to furnish such information and documents as may be required by the Government of India on the one hand and the Government of Japan on the other.

III(iv) Where suppliers are located in Japan, they agree to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose they would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India, atleast four weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements should be made. In exceptional cases, where the importers require this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

### Section IV—Contract Approval by Govt. of India :

IV(i) As soon as the orders are finalised, the licensee should forward to the Under Secretary (IA), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, New Delhi 4 copies of the contract duly signed by both parties or purchase orders by the Indian importer placed on the overseas supplier supported by order confirmation in writing by the overseas supplier or their photo copies complete in all respects together with two photo copies of the relevant valid import licence as also two copies of the "Request for issue of A/P" in the form at Annex III. The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of contracts or in its price.

IV(ii) If the contract documents "Request for issue of A/P" and other connected documents are found to be in order the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) Japan Section will approve the contract and will arrange to send one set of the documents mentioned in (i) above each to the CAA&A and the Embassy of India, Tokyo.

IV(iii) On receipt of the documents mentioned at (ii) above the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 will issue an

'Authorisation to Pay' (A/P) to the Bank of India, Tokyo in the form at Annexure IV for making payment to the overseas supplier. Copies of the A/P will be endorsed to the Embassy of India, Tokyo, the importer, importer's Bank in India and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

IV(iv) On receipt of the Authorisation to Pay (A/P) the Bank of India, Tokyo will intimate the fact of this receipt to the supplier under intimation to the Government of Japan, Embassy of India, Tokyo, the importers' Bank in India and the CAA&A.

IV(v) The foreign supplier shall, after affecting shipment present through his bankers the documents specified in the A/P to the Bank of India, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the Supplier through his bankers.

IV(vi) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for advising the A/P and for arranging payment to the overseas supplier shall be settled by the concerned importer's Bank in India by remittances to the Bank of India, Tokyo through normal banking channel without affecting the Government of India's account.

### Section V—Responsibility for Rupee deposit :

V(i) The original negotiable shipping documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo, to the concerned importer's bank in India which would be a branch of the State Bank of India or any of the nationalised Banks as mentioned in (O) in Annexure-III who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the rupee equivalent of the Yen/US\$/Pound sterling Payments made to the supplier alongwith interest charges thereon in cases where payable calculate at the rate of 9 per cent per annum for the first thirty days and at 15 per cent for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the foreign Supplier to the date of actual rupee deposit, is deposited into Government of India account in terms of the Public Notice No. 46-ITC(PN)/76 dated 16-6-76. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the supplier and also the day on which rupee deposits is made into Government account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen/US\$/£ Payment will be the prevailing composite rate of exchange as laid down in CCI&E Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the import documents are handed over to the importers. The licensee should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances-843—Civil Deposits—Deposits for purchases etc., abroad—purchase Grant Aid from the Government of Japan" for 1980-81 (Yen 2.46 billion Grant Aid—Debt—relief).

V(ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi, or if this is not possible it should be remitted by means of a demand draft obtained from any branch of the State Bank of India or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (drawer) drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 (Drawee and Payee) for credit to Government account as contemplated in Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-68 and No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976,



V(iii) The concerned bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India on account of service charges within seven days after such a demand is made by the Government. While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers, their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 and also in Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 read with Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-76 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challans :

- (a) Ministry of Finance 'A/P' (Authorisation to Pay) No. and date.
- (b) Amount of Yen Currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the foreign supplier.
- (d) The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.
- (e) Total amount deposited.

(Interest is to be calculated for the period from the date of payment to the supplier upto and inclusive of the date of deposit of rupee equivalents into Government Account).

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the A/P issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents.

Note : Importer's Banks in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A, Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

V(iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupees deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

#### Section VI—Miscellaneous provisions :

##### VI(i) Reports on the utilisation of the import licence :

The importer should send a monthly report, after the A/P has been issued regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

##### VI(ii) Notifying Suppliers of Special Conditions :

The licensee should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

##### VI(iii) Disputes :

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-I under "Terms of payment". Provision dealing with a settlement of disputes be included in the Condition of contract.

##### VI(iv) Future Instructions :

The Licensee shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Grant Aid for 1980-81 from Japan.

251GI/81—3

#### VI(v) Breach or violation :

Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control Act).

#### VI(vi) List of Annexures :

Annexure I—List of eligible source countries.

Annexure II—List of eligible commodities.

Annexure III—Form of Request for issue of Authorisation to Pay (A/P).

Annexure IV—Form of letter of Authorisation to Pay (A/P).

### ANNEXURE I

#### List of Eligible Source Countries

##### A. Developing Countries and Territories :

##### (a1) Non-OPEC Developing Countries :

##### I. AFRICA, North of Sahara: St. Helena and dep. (2)

Egypt	Sao Tomo and Principe
Moreocco	Senegal
Tunisia	Seychelles
	Sierra Leone
	Somalia

##### II. AFRICA South of Sahara:

Sudan
Swaziland
Angola
Botswana
Burundi
Cameroon
Cape Verde Islands
Central African Rep.
Chad
Comoro Islands
Congo, People's Republic
of Dahomay
Equatorial Guinea (1)
Ethiopia
Gambia
Ghana
Guinea
Ivory Coast
Kenya
Lesotho
Liberia
Malagasy Republic
Malawi
Mali
Mauritania, Mauritius
Moozambique
Niger
Portuguese Guinea
Reunion
Rhodesia
Rwanda

##### III. AMERICA, North and Central :

Bahamas
Barbados
Belize
Bermuda
Costa Rica
Cuba
Dominican Republic
El Salvador
Guadeloupe
Guatemala
Haiti
Honduras
Jamaica
Martinique
Mexico
Netherlands Antilles
Nicaragua
Panama
St. Pierre & Miquelon
Trinidad and Tobago

(1) Formerly the territory of Spanish Guinea, including the island and Fernando Po.

(2) Including the following islands: Ascension, Tristan da Inaccessibles, Nightingale, Gough.

(3) Main islands, Aruba, Bonaire, Curacao, Saba, St. Eustacit St. Martin (Southern part).

eligible source countries under the Grant. The list of eligible commodities that can be imported under this Grant Aid is at Annexure II.

I(ii) The licence will bear the superscription "Yen 2.46 billion Japanese Grant Aid for 1980-81". The licence code for the first and second suffix will be "S/JN". These will also be repeated in the letter from the CCI&E forwarding the import licence.

I(iii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence, except bank charges which may be remitted through normal banking channels. Any payment towards Indian Agents' commission should be made in Indian rupees to the agents in India. Such payment however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I(iv) The import licence will be issued on CIF basis with an initial validity of 12 months. For extension of the validity of the licence, the Licencee should approach the licensing authority concerned who shall consult the Department of Economic Affairs (Japan Section) in the matter.

I(v) Firm order must be placed on CIF or on C&F basis on the overseas suppliers located in Japan or in other eligible countries mentioned in Annexure-I and sent to the Under Secretary, Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi within 4 months from the date of issue of the import licence. "Firm orders" means purchase orders placed by the Indian licencee on the overseas supplier duly supported by order confirmation by the letter of purchase contract duly signed by both the Indian importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of Overseas Suppliers and/or order confirmation by such Indian Agents are not acceptable.

I(vi) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs Japan Section, within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para 1(v) above cannot be placed within four months from valid reasons, the licencee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merits by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If however, extension sought beyond 4 months from the date of issue of this import licence such proposals will invariably be referred by the licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, North Block New Delhi who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licencee.

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 31-3-1982.

Section II—Special points to be kept in view while negotiating a supply contract :

II(i) (a) The CIF or C&F value of the contract should be expressed in Yen or US Dollars or Pound Sterling without fraction less than one Yen, one Cent or one Penny and should exclude Indian Agents' commission, if any, which should be paid in Indian rupees. If no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The FOB cost, insurance and freight amount may be shown separately but it should be clarified in the contract whether the freight charges will be payable on actual basis or whether the freight charges indicated in the contract would be the amount payable irrespective of the actual charges.

(b) The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents by the Japanese suppliers to the Bank of India, Tokyo.

(c) The purchase order and supplier's order confirmation should be in English only.

II(ii) Only one contract should be entered into for the full value of the import licence. In exceptional cases, more than one contract may be permitted to be entered into for which prior approval of the Department of Economic Affairs Ministry of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import licence.

II (iii) Eligibility of Supplier—

The Supplier shall be a national of the eligible source countries, or a juridical persons registered and incorporated in the eligible source countries.

Section III—

The following provision should be specifically incorporated in the supply contract :—

III(i) The contract is arranged in accordance with the Agreement dated the 18th March, 1981 between the Government of India and Japan concerning the Grant Aid of Yen 2.46 billion for 1980-81 and will be subject to the approval of Government of India.

III(ii) Payments to the suppliers shall be made through an 'Authorisation to Pay' (A/P) which will be issued by the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 in favour of the Bank of India, Tokyo under the Japanese Grant Aid for 1980-81.

III(iii) The overseas suppliers agree to furnish such information and documents as may be required by the Government of India on the one hand and the Government of Japan on the other.

III(iv) Where the suppliers are located in Japan, they agree to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose they would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India, atleast four weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements should be made. In exceptional cases, where the importer require, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section IV—Contract Approval by Government of India :

IV(i) As soon as the orders are finalised, the licencee should forward to the Under Secretary (TA), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, New Delhi, 4 copies of the contract duly signed by both parties or purchase order by the Indian importer placed on the Overseas Suppliers supported by order confirmation in writing by the Overseas Supplier or their photo-copies complete in all respects, together with two photo copies of the relevant valid import licence and also two copies of the "Request for issue of A/P" in the format Annexure III, accompanied by a Bank Guarantee in the form prescribed in Annexure V duly adjudicated by the Collector of Stamps under Section 31 of the Indian Stamp Act.

IV (ii) Bank Guarantee—Amount for which it should be executed : The Bank Guarantee should be for an amount representing the rupee equivalent of the foreign currency amount for which the Authorisation to Pay (A/P) is sought plus interest and other charges as mentioned in Annexure V. The rate of conversion shall be at the exchange rate notified by the Department of Revenue and prevailing on the date of issue of the import licence as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN)78, dated the 6th June, 1974 issued by the CCI&E. This rate is meant only for the purpose of arriving at the value of the Bank Guarantee to be furnished by the licencee. For the purpose of making rupee deposits into Government account towards the cost of imports, the rupee equivalent will have to be worked out in the manner indicated in Section V below.

IV(iii) If the contract documents, Request for issue of 'A/P', the Bank Guarantee and other connected documents are found to be in order, the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Japan Section will approve the

V(iii) The concerned bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India on account of service charges within seven days after such a demand is made by the Government. While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers, their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 and also in Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 read with Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-76 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challans :

- (a) Ministry of Finance 'A/P' (Authorisation to Pay) No. and date.
- (b) Amount of Yen Currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the foreign supplier.
- (d) The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.
- (e) Total amount deposited.

(Interest is to be calculated for the period from the date of payment to the supplier upto and inclusive of the date of deposit of rupee equivalents into Government Account).

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the A/P issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents.

Note : Importer's Banks in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A, Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

V(iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupees deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

#### Section VI—Miscellaneous provisions :

##### VI(i) Reports on the utilisation of the import licence :

The importer should send a monthly report, after the A/P has been issued regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

##### VI(ii) Notifying Suppliers of Special Conditions :

The licensee should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

##### VI(iii) Disputes :

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-I under "Terms of payment". Provision dealing with a settlement of disputes be included in the Condition of contract.

##### VI(iv) Future Instructions :

The Licensee shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Grant Aid for 1980-81 from Japan.

251GI/81—3

#### VI(v) Breach or violation :

Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control Act).

#### VI(vi) List of Annexures :

Annexure I—List of eligible source countries.

Annexure II—List of eligible commodities.

Annexure III—Form of Request for issue of Authorisation to Pay (A/P).

Annexure IV—Form of letter of Authorisation to Pay (A/P).

### ANNEXURE I

#### List of Eligible Source Countries

##### A. Developing Countries and Territories :

##### (a1) Non-OPEC Developing Countries :

##### I. AFRICA, North of Sahara: St. Helena and dep. (2)

Egypt	Sao Tomo and Principe
Moreocco	Senegal
Tunisia	Seychelles
	Sierra Leone
	Somalia

##### II. AFRICA South of Sahara:

Sudan	
Swaziland	
Angola	Terro. Afars and Issas
Botswana	Togo
Burundi	Uganda
Cameroon	Un. Rep. of Tanzania
Cape Verde Islands	Upper Volta
Central African Rep.	Zaire Republic
Chad	Zambia
Comoro Islands	
Congo, People's Republic of Dahomay	
Equatorial Guinea (1)	

##### III. AMERICA, North and Central :

Ethiopia	Bahamas
Gambia	Barbados
Ghana	Belize
Guinea	Bermuda
Ivory Coast	Costa Rica
Kenya	Cuba
Lesotho	Dominican Republic
Liberia	El Salvador
Malagasy Republic	Guadeloupe
Malawi	Guatemala
Mali	Haiti
Mauritania, Mauritius	Honduras
Moozambique	Jamaica
Niger	Martinique
Portuguese Guinea	Mexico
Reunion	Netherlands Antilles
Rhodesia	Nicaragua
Rwanda	Panama
	St. Pierre & Miquelon
	Trinidad and Tobago

(1) Formerly the territory of Spanish Guinea, including the island and Fernando Po.

(2) Including the following islands: Ascension, Tristan da Inaccessibles, Nightingale, Gough.

(3) Main islands, Aruba, Bonaire, Curacao, Saba, St. Eustacit St. Martin (Southern part).

eligible source countries under the Grant. The list of eligible commodities that can be imported under this Grant Aid is at Annexure II.

I(ii) The licence will bear the superscription "Yen 2.46 billion Japanese Grant Aid for 1980-81". The licence code for the first and second suffix will be "S/JN". These will also be repeated in the letter from the CCI&E forwarding the import licence.

I(iii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence, except bank charges which may be remitted through normal banking channels. Any payment towards Indian Agent's commission should be made in Indian rupees to the agents in India. Such payment however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I(iv) The import licence will be issued on CIF basis with an initial validity of 12 months. For extension of the validity of the licence, the Licencee should approach the licensing authority concerned who shall consult the Department of Economic Affairs (Japan Section) in the matter.

I(v) Firm order must be placed on CIF or on C&F basis on the overseas suppliers located in Japan or in other eligible countries mentioned in Annexure-I and sent to the Under Secretary, Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi within 4 months from the date of issue of the import licence. "Firm orders" means purchase orders placed by the Indian licensee on the overseas supplier duly supported by order confirmation by the letter of purchase contract duly signed by both the Indian importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of Overseas Suppliers and/or order confirmation by such Indian Agents are not acceptable.

I(vi) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs Japan Section, within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para 1(v) above cannot be placed within four months from valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merits by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If however, extension sought beyond 4 months from the date of issue of this import licence such proposals will invariably be referred by the licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, North Block New Delhi who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee.

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 31-3-1982.

Section II—Special points to be kept in view while negotiating a supply contract :

II(i) (a) The CIF or C&F value of the contract should be expressed in Yen or US Dollars or Pound Sterling without fraction less than one Yen, one Cent or one Penny and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees. If no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The FOB cost, insurance and freight amount may be shown separately but it should be clarified in the contract whether the freight charges will be payable on actual basis or whether the freight charges indicated in the contract would be the amount payable irrespective of the actual charges.

(b) The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents by the Japanese suppliers to the Bank of India, Tokyo.

(c) The purchase order and supplier's order confirmation should be in English only.

II(ii) Only one contract should be entered into for the full value of the import licence. In exceptional cases, more than one contract may be permitted to be entered into for which prior approval of the Department of Economic Affairs Ministry of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import licence.

II (iii) Eligibility of Supplier—

The Supplier shall be a national of the eligible source countries, or a juridical persons registered and incorporated in the eligible source countries.

Section III—

The following provision should be specifically incorporated in the supply contract :—

III(i) The contract is arranged in accordance with the Agreement dated the 18th March, 1981 between the Government of India and Japan concerning the Grant Aid of Yen 2.46 billion for 1980-81 and will be subject to the approval of Government of India.

III(ii) Payments to the suppliers shall be made through an 'Authorisation to Pay' (A/P) which will be issued by the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 in favour of the Bank of India, Tokyo under the Japanese Grant Aid for 1980-81.

III(iii) The overseas suppliers agree to furnish such information and documents as may be required by the Government of India on the one hand and the Government of Japan on the other.

III(iv) Where the suppliers are located in Japan, they agree to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose they would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India, atleast four weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements should be made. In exceptional cases, where the importer require, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section IV—Contract Approval by Government of India :

IV(i) As soon as the orders are finalised, the licensee should forward to the Under Secretary (TA), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, New Delhi, 4 copies of the contract duly signed by both parties or purchase order by the Indian importer placed on the Overseas Suppliers supported by order confirmation in writing by the Overseas Supplier or their photo-copies complete in all respects, together with two photo copies of the relevant valid import licence and also two copies of the "Request for issue of A/P" in the format Annexure III, accompanied by a Bank Guarantee in the form prescribed in Annexure V duly adjudicated by the Collector of Stamps under Section 31 of the Indian Stamp Act.

IV (ii) Bank Guarantee—Amount for which it should be executed : The Bank Guarantee should be for an amount representing the rupee equivalent of the foreign currency amount for which the Authorisation to Pay (A/P) is sought plus interest and other charges as mentioned in Annexure V. The rate of conversion shall be at the exchange rate notified by the Department of Revenue and prevailing on the date of issue of the import licence as per para 2 of the Public Notice No. 78-FTC(PN)/78, dated the 6th June, 1974 issued by the CCI&E. This rate is meant only for the purpose of arriving at the value of the Bank Guarantee to be furnished by the licensee. For the purpose of making rupee deposits into Government account towards the cost of imports, the rupee equivalent will have to be worked out in the manner indicated in Section V below.

IV(iii) If the contract documents, Request for issue of 'A/P', the Bank Guarantee and other connected documents are found to be in order, the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Japan Section will approve the

contract and arrange to send one set of the documents to the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance, UCO Bank Building, 1st Floor, Parliament Street, New Delhi, and Embassy of India, Tokyo.

IV(iv) On receipt of the documents mentioned in Section IV(iii) above the Controller of Aid Account & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building Parliament Street, New Delhi-110001 will issue an 'Authorisation to Pay' (A/P) to the Bank of India, Tokyo in the form at Annexure III for making payment to the Japanese supplier. Copies of the A/P will be endorsed to the Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

IV(v) On receipt of the Authorisation to Pay (A/P) the Bank of India, Tokyo will intimate the fact of this receipt to the supplier under intimation to the Government of Japan, Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India and the C A A & A.

IV(vi) The foreign supplier shall, after affecting shipment, present through his bankers the documents specified in the A/P to the Bank of India, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the supplier through his bankers.

IV(vii) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for advising the A/P and for arranging payment to the supplier shall be settled by the concerned importer's bank in India by remittances to the Bank of India, Tokyo through normal banking channel without affecting the Government of India's Account.

#### Section V—Responsibility for rupee deposit :

V(i) The original negotiable shipping documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo, to the concerned importer's bank in India which would be a branch of the State Bank of India or any of the nationalised banks as mentioned in (O) in Annexure III who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the rupee equivalent of the Yen Payments made to the supplier along with interest charges thereon calculating at the rate of 9 per cent per annum for the first thirty days and at 15 per cent for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Japanese Supplier to the date of actual rupee deposit, is deposited into Government of India account in terms of the Public Notice No. 46-ITC(PN)/76, dated 16-6-76. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the day on which rupee deposits is made into Government account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)/74, dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen Payment will be the prevailing composite rate of exchange as laid down in CCI&E Public Notice No. 8-ITC(PN)/76, dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notice of the CCI&E or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the import documents are handed over to the importers. The licensee should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K—Deposits and Advances—843—Civil Deposits—Deposits for purchases etc., abroad purchase Grant Aid from the Government of Japan" for 1980-81—(Yen 2.46 billion Grant Aid—Debt Relief).

V(ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi, or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi, or if this is not possible, should be remitted by means of a demand draft obtained from any branch of the State Bank of India or its subsidiaries or any

one of the Nationalised Banks (drawer) drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 (drawee and Payee) for credit to Government account as contemplated in Public Notices No. 184-ITC (PN)/68, dated 30-8-1968, No. 233-ITC(PN)/68, dated 24-10-1968 and No. 132-ITC(PN)/71, dated 5-10-1971 No. 74-ITC(PN)/74, dated 31-5-1974 and No. 103-ITC (PN)/76, dated 12-10-1976.

V(iii) The concerned bank in India shall also furnish such additional deposits in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India on account of service charges within seven days after such a demand is made by the Government. While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the Importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71, dated 5-10-1971 and also Public Notice No. 74-ITC(PN)/74, dated 31-5-1974 read with Public Notice No. 103-ITC(PN)/76, dated 12-10-1976 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challans :

- (a) Ministry of Finance 'A/P' (Authorisation to Pay) No. and date.
- (b) Amount of Yen Currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the foreign supplier.
- (d) The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.
- (e) Total amount deposited.

(Interest is to be calculated for the period from the date of payment to the Japanese supplier upto and inclusive of the date of deposit of rupee equivalent into Government Account).

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAAA indicating reference to the A/P issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents.

Note : Importer's Banks in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAAA, Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

V(iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

V(v) After the obligations in terms of the Bank Guarantee and the Authorisation issued by the CAAA in the Ministry of Finance are fulfilled, the concerned Bank in India can apply to the CAAA for the release of bank guarantee. The application for the purpose be made in the form laid down in Annexure-VI.

#### Section VI—Miscellaneous provisions :

VI(i) Reports on the utilisation of the import licence.—The importer should send a monthly report after the A/P has been issued regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

VI(ii) Notifying Suppliers of Special Conditions.—The licensee should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

VI(iii) Disputes.—It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must clearly

2. Importer's Banker— they are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen[US\$]£ payment to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the overseas suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Overseas Suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC (PN)/76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @ 9 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 15 per cent per annum for the period excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government Account, is required to be deposited into the Government of India account in terms of public Notice No. 46-ITC(PN)/76 dated 16-6-1976. The interest is payable for both the days i.e., the day on which payment is made to the overseas supplier and also the date on which rupee deposit is made into Government account. (Any Change in this rate will be intimated if and when made). It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs Clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi or the S.B.I. Tis Hazari, Delhi or remitted by means of a Demand Draft obtained by them from any Branch of the S.B.I. or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the S.B.I., Tis Hazari, Delhi-6 (Drawee and Payee). In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-74 and 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The head of Account to be credited is "K-Deposits and Advances-843-CIVIL Deposit for purchases etc. abroad Purchases under Grant Aid from the Government of Japan" for 1980-81—(Yen 2.46 billion Grant Aid-Debt Relief).

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes records from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-1.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases, full particulars of the rupee equivalents deposited alongwith the amount of interest paid and the period for which interest has been calculated should be furnished to this Department.

The banking charges, of the Bank of India, Tokyo Branch, including charges of the overseas suppliers bankers, if any, should be settled directly between the Indian Bank, and the Bank of India, Tokyo Branch.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary (TA) Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

(Accounts Officer)

#### ANNEXURE V

[Ref. Section IV—Para IV(ii)]

#### GUARANTEE BOND

To

The President of India.

In consideration of the President of India (hereinafter called 'the Government') having agreed to arrange for payment in Yens[US Dollars and £ Sterling for the import

of—by— (hereinafter called 'importer') against the import licence No. —dated — issued under the terms and conditions of Japanese Grant Aid of Yen 2.9 billion, we— Bank, at the request of the importer hereby undertake to arrange to deposit, the amounts of disbursements made by the Bank of India, Tokyo converted at the prevailing composite rate of conversion laid down in CCI&E's Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-76 or as notified from time to time in Public Notices[A.D. Circulars within ten days of the receipt of advice of payments for credit to the Government account in the manner and against the appropriate Heads of Accounts as indicated by the Government of India under the said Grant Aid together with interest thereon at the rate of 9 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 15 per cent per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment to the overseas supplier to and inclusive of the date of deposit of rupee equivalent for credit to the Government account. The negotiable set of import documents received from the Bank of India, Tokyo will be released to the Importer only after the rupee deposits contemplated above have been made.

2. We, the — (Bank), also undertake to indemnify and keep indemnified the Government against any default in payment by the importer of any sum that may be due and payable from time to time by the importer to the Government at such place and in such manner as the Government may from time to time direct, such sums not exceeding Rs.—, or any part thereof, for the time being due and payable by the importer, together with interest thereon at the rate of 9 per cent per annum for the first 30 days and the rate of 15 per cent per annum for the period excess thereof reckoned from the date of the payment to the overseas supplier. The decision of the Government as to any default in the said payment by the importer, or on his part and in regard to the amount payable to the Government by us— (Bank), shall be final and binding on us— (Bank).

3. We, — (Bank), further agree that in case of increase in the value of imports or increase in the value of unfulfilled deliveries under the contract as a result of change in the composite rate of exchange mentioned in para 1 above, the amount of this guarantee bond will be adjusted as on the date when the change take place, in proportion to this change.

4. We, — (Bank), further agree that the guarantee herein contained shall remain in full force and effect during the period that would be taken for the performance of the said agreement/contract and that it shall continue to be enforceable till all the dues to the Government under, or by virtue of this guarantee, have been fully paid and its claims satisfied or discharged.

5. The guarantee herein contained shall not be affected by any change in the constitution of the importer or the — (Bank) and the Government shall have the fullest liberty without affecting the guarantee to postpone for any time and from time to time of the powers exercisable by it against the importer and the — (Bank) shall not be released from its liability under this guarantee by any exercise of the Government of the liberty with reference to the matter aforesaid or by reasons of time being given to the importer or any other forbearance, act or omission on the part of the Government or any other matter or thing the Government to the importer or by any other matter or thing whatsoever which under the law relating to sureties shall, but for this provision, have the effect of so releasing the — (Bank) from its such liability.

6. We — (Bank), lastly undertake not to revoke this guarantee during its currency except with previous consent of the Government in writing.

7. Our liability under this bond/guarantee is restricted to Rs. — (plus interest and all banking charges, not expected to exceed 1 per cent of the guarantee amount), and this guarantee shall remain in force till\*\* the date of

\*\*This date shall be arrived at by adding one month to the date up to which the Letter of Credit is required to be kept valid.



contract and arrange to send one set of the documents to the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Ist Floor, Parliament Street, New Delhi, and Embassy of India, Tokyo.

IV(iv) On receipt of the documents mentioned in Section IV(iii) above the Controller of Aid Account & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building Parliament Street, New Delhi-110001 will issue an 'Authorisation to Pay' (A/P) to the Bank of India, Tokyo in the form at Annexure III for making payment to the Japanese supplier. Copies of the A/P will be endorsed to the Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

IV(v) On receipt of the Authorisation to Pay (A/P) the Bank of India, Tokyo will intimate the fact of this receipt to the supplier under intimation to the Government of Japan, Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India and the C A A & A.

IV(vi) The foreign supplier shall, after affecting shipment, present through his bankers the documents specified in the A/P to the Bank of India, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the supplier through his bankers.

IV(vii) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for advising the A/P and for arranging payment to the supplier shall be settled by the concerned importer's bank in India by remittances to the Bank of India, Tokyo through normal banking channel without affecting the Government of India's Account.

#### Section V—Responsibility for rupee deposit :

V(i) The original negotiable shipping documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo, to the concerned importer's bank in India which would be a branch of the State Bank of India or any of the nationalised banks as mentioned in (O) in Annexure III who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the rupee equivalent of the Yen Payment made to the supplier along with interest charges thereon calculating at the rate of 9 per cent per annum for the first thirty days and at 15 per cent for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Japanese Supplier to the date of actual rupee deposit, is deposited into Government of India account in terms of the Public Notice No. 46-ITC(PN)/76, dated 16-6-76. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the day on which rupee deposits is made into Government account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)/74, dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen Payment will be the prevailing composite rate of exchange as laid down in CCI&E Public Notice No. 8-ITC(PN)/76, dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notice of the CCI&E or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the import documents are handed over to the importers. The licensee should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K—Deposits and Advances—843—Civil Deposits—Deposits for purchases etc., abroad purchase Grant Aid from the Government of Japan" for 1980-81—(Yen 2.46 billion Grant Aid—Debt Relief).

V(ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi, or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi, or if his is not possible, should be remitted by means of a demand draft obtained from any branch of the State Bank of India or its subsidiaries or any

one of the Nationalised Banks (drawer) drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 (drawee and Payee) for credit to Government account as contemplated in Public Notices No. 184-ITC (PN)/68, dated 30-8-1968, No. 233-ITC(PN)/68, dated 24-10-1968 and No. 132-ITC(PN)/71, dated 5-10-1971 No. 74-ITC(PN)/74, dated 31-5-1974 and No. 103-ITC (PN)/76, dated 12-10-1976.

V(iii) The concerned bank in India shall also furnish such additional deposits in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India on account of service charges within seven days after such a demand is made by the Government. While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the Importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71, dated 5-10-1971 and also Public Notice No. 74-ITC(PN)/74, dated 31-5-1974 read with Public Notice No. 103-ITC(PN)/76, dated 12-10-1976 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challans :

- (a) Ministry of Finance 'A/P' (Authorisation to Pay) No. and date.
- (b) Amount of Yen Currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the foreign supplier.
- (d) The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.
- (e) Total amount deposited.

(Interest is to be calculated for the period from the date of payment to the Japanese supplier upto and inclusive of the date of deposit of rupee equivalents into Government Account).

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAAA indicating reference to the A/P issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents.

Note : Importer's Banks in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAAA, Ministry of Finance (IDEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

V(iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

V(v) After the obligations in terms of the Bank Guarantee and the Authorisation issued by the CAAA in the Ministry of Finance are fulfilled, the concerned Bank in India can apply to the CAAA for the release of bank guarantee. The application for the purpose be made in the form laid down in Annexure-VI.

#### Section VI—Miscellaneous provisions :

VI(i) Reports on the utilisation of the import licence.—The importer should send a monthly report after the A/P has been issued regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

VI(ii) Notifying Suppliers of Special Conditions.—The licensee should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

VI(iii) Disputes.—It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must clearly

2. Importer's Banker— they are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen[US\$]£ payment to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the overseas suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Overseas Suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @ 9 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 15 per cent per annum for the period excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government Account, is required to be deposited into the Government of India account in terms of public Notice No. 46-ITC(PN)/76 dated 16-6-1976. The interest is payable for both the days i.e., the day on which payment is made to the overseas supplier and also the date on which rupee deposit is made into Government account. (Any Change in this rate will be intimated if and when made). It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs Clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi or the S.B.I. Tis Hazari, Delhi or remitted by means of a Demand Draft obtained by them from any Branch of the S.B.I. or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the S.B.I., Tis Hazari, Delhi-6 (Drawee and Payee). In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-74 and 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The head of Account to be credited is "K-Deposits and Advances-843-CIVIL Deposit for purchases etc. abroad Purchases under Grant Aid from the Government of Japan" for 1980-81—(Yen 2.46 billion Grant Aid-Debt Relief).

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes records from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-1.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases, full particulars of the rupee equivalents deposited alongwith the amount of interest paid and the period for which interest has been calculated should be furnished to this Department.

The banking charges, of the Bank of India, Tokyo Branch, including charges of the overseas suppliers bankers, if any, should be settled directly between the Indian Bank, and the Bank of India, Tokyo Branch.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary (TA) Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

(Accounts Officer)

#### ANNEXURE V

[Ref. Section IV—Para IV(ii)]

#### GUARANTEE BOND

To

The President of India.

In consideration of the President of India (hereinafter called 'the Government') having agreed to arrange for payment in Yens/US Dollars and £ Sterling for the import

of— by — (hereinafter called 'importer') against the import licence No. — dated — issued under the terms and conditions of Japanese Grant Aid of Yen 2.9 billion, we — Bank, at the request of the importer hereby undertake to arrange to deposit, the amounts of disbursements made by the Bank of India, Tokyo converted at the prevailing composite rate of conversion laid down in CCI&E's Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-76 or as notified from time to time in Public Notices/A.D. Circulars within ten days of the receipt of advice of payments for credit to the Government account in the manner and against the appropriate Heads of Accounts as indicated by the Government of India under the said Grant Aid together with interest thereon at the rate of 9 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 15 per cent per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment to the overseas supplier to and inclusive of the date of deposit of rupee equivalent for credit to the Government account. The negotiable set of import documents received from the Bank of India, Tokyo will be released to the Importer only after the rupee deposits contemplated above have been made.

2. We, the — (Bank), also undertake to indemnify and keep indemnified the Government against any default in payment by the importer of any sum that may be due and payable from time to time by the importer to the Government at such place and in such manner as the Government may from time to time direct, such sums not exceeding Rs. —, or any part thereof, for the time being due and payable by the importer, together with interest thereon at the rate of 9 per cent per annum for the first 30 days and the rate of 15 per cent per annum for the period excess thereof reckoned from the date of the payment to the overseas supplier. The decision of the Government as to any default in the said payment by the importer, or on his part and in regard to the amount payable to the Government by us — (Bank), shall be final and binding on us — (Bank).

3. We, — (Bank), further agree that in case of increase in the value of imports or increase in the value of unfulfilled deliveries under the contract as a result of change in the composite rate of exchange mentioned in para 1 above, the amount of this guarantee bond will be adjusted as on the date when the change take place, in proportion to this change.

4. We, — (Bank), further agree that the guarantee herein contained shall remain in full force and effect during the period that would be taken for the performance of the said agreement/contract and that it shall continue to be enforceable till all the dues to the Government under, or by virtue of this guarantee, have been fully paid and its claims satisfied or discharged.

5. The guarantee herein contained shall not be affected by any change in the constitution of the importer or the — (Bank) and the Government shall have the fullest liberty without affecting the guarantee to postpone for any time and from time to time of the powers exercisable by it against the importer and the — (Bank) shall not be released from its liability under this guarantee by any exercise of the Government of the liberty with reference to the matter aforesaid or by reasons of time being given to the importer or any other forbearance, act or omission on the part of the Government or any other matter or thing the Government to the importer or by any other matter or thing whatsoever which under the law relating to sureties shall, but for this provision, have the effect of so releasing the — (Bank) from its such liability.

6. We — (Bank), lastly undertake not to revoke this guarantee during its currency except with previous consent of the Government in writing.

7. Our liability under this bond/guarantee is restricted to Rs. — (plus interest and all banking charges, not expected to exceed 1 per cent of the guarantee amount). and this guarantee shall remain in force till\*\* the date of

\*\*This date shall be arrived at by adding one month to the date up to which the Letter of Credit is required to be kept valid.



— (month) 19—. Unless claims under this bond/guarantee are made in writing within six months of this date and unless suit or action to enforce these claims is commenced within another six months thereafter, i.e. upto — all Government's rights under this bond/guarantee shall be relieved and discharged from all liability thereunder.

Date the — day of — 19  
for — (Bank)

Accepted for and on behalf of the  
President of India by Shri —

(Name and Designation)

Signature

Signature

Note: The value of the stamped paper on which this guarantee is to be executed is to be adjudicated by the Collector of Stamps under Section 31 of the Indian Stamps Act.

#### ANNEXURE VI

[Section V—Para V(v)]

Form of Application for release of Bank Guarantee

The Controller of Aid Accounts and Audit,  
Ministry of Finance,  
Department of Economic Affairs,  
UCO Bank Building, 1st Floor,  
Parliament Street, New Delhi-1.

Sir,

We are furnishing below detailed information on the rupee deposits made by us in the discharge of our obligations under Bank Guarantee No. — dated — for an amount of Rs. — with the request that the same may be released and returned to us.

1. The name and full address of the importer/licencee on whose behalf the Bank Guarantee was furnished.
2. The import licence No. date, value, brief description of the equipment and/or commodities allowed for import thereunder.

3. Particulars of the authorisation(s) obtained from the Ministry of Finance (to be given separately for each authorisation).

- (a) Letter No. and date.
- (b) Amount of Authorisation.
- (c) Japanese Grant Aid of Yen 2.9 billion.

4. Particulars of imports and rupee deposits made (to be given separately for each Authorisation).

- (a) Amount of Invoice (net) in Yen|US\$|£.
- (b) Amount of Rupee deposit.
- (c) Relative challan No. and date and the name of Treasury/Bank.
- (d) If by demand draft, No. and date of the demand draft and No. and date of the Letter with which the draft was sent to the State Bank of India, Delhi.

5. Amount utilised and balance unutilised (Yen|US\$|£). in each Authorisation.

II. We certify that :—

- (1) \*The balance amount of Yen — available in the authorisation(s) given by the Ministry of Finance has not been utilised/will not be utilised.
- (2) Our obligation under the Bank Guarantee in question have been fully discharged.

III. We confirm that the interest and banking charges of the Bank of India, Tokyo and charges, if any, of overseas suppliers Bankers relative to this transaction have been remitted by us to the Bank of India, Tokyo.

IV. We request that the bank guarantee may please be released and returned to us for cancellation.

Yours faithfully,

Authorised Agent for and on behalf of the Bank.

\*whichever is applicable.

